सफलतम 31 वर्ष सच बेधड़क

दैनिक

# विद्रोही तेवर

RNI.No.MPHIN/58880/95

● वर्ष-31 ● अंक- 299 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, सोमवार 27 अक्टूबर, 2025 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

## झारखंड में संक्रमित खून चढ़ाने से 5 बच्चे एचआईवी पॉजीटिव

- सिविल सर्जन समेत कई अधिकारी सस्पेंड, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

**रांची/चाईबासा (एजेंसी)।** झारखंड के चाईबासा के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही का मामला सामने आया है। थैलेसीमिया पीड़ित 5 बच्चे एचआईवी पॉजीटिव पाए गए हैं।

उन्हें संक्रमित खून चढ़ाया गया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिविल सर्जन समेत संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने पीड़ित बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का निर्देश दिया है। संक्रमित बच्चों का पूरा इलाज भी राज्य सरकार कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में राज्य के स्वास्थ्य सचिव और जिला सिविल सर्जन से रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, 3 सितंबर को यहां थैलेसीमिया पीड़ित 7 साल के बच्चे को संक्रमित खून चढ़ा दिया गया।

## विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा की बड़ी तैयारी

- पूरे बंगाल में 500 से अधिक विस्तारकों की होगी नियुक्ति

**कोलकाता (एजेंसी)।** भाजपा ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी है। इसी क्रम में भाजपा चुनाव को ध्यान में रखकर राज्य में 500 से अधिक विस्तारकों की नियुक्ति करने जा रही है। इसमें अब तक 250 पुरुष विस्तारकों को बहाल किया जा चुका है, जिन्हें 250 विधानसभा सीटों पर तैनात

किया जाएगा। इन विस्तारकों की ट्रेनिंग इसी सप्ताह कोलकाता में होगी। मिली जानकारी के अनुसार, 250 महिला विस्तारकों की भी नियुक्ति जल्द की जाएगी। इन महिला विस्तारकों को भी पार्टी विधानसभा क्षेत्रों में काम पर लगाएगी। सूत्रों के अनुसार, चूंकि बंगाल में महिलाओं की सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी ज्यादा है, लिहाजा प्रदेश की चुनिंदा 250 सीटों पर महिला विस्तारक बहाल करने की योजना बनाई गई है। राज्य में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। किसी विधानसभा में एक और किसी में दो विस्तारक नियुक्त करने की योजना है।

## दलित युवक के मर्डर केस में 2 और आरोपी अरेस्ट

- सरकारी नौकरी की मांग, सपा-कांग्रेस ने सरकार को घेरा

**ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)।** रबूपुरा में पिछले दिनों पिटाई से दलित युवक की मौत मामले में विपक्ष ने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। इस बीच दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पहली गिरफ्तारी रबूपुरा निवासी रचित की हुई। वह यमुना एक्सप्रेसवे से फरार होने की फिराक में था। दूसरे आरोपी अंकित को यमुना सिटी के सेक्टर-18 से

गिरफ्तार किया गया। इससे पहले युवराज मीणा और जीतू मीणा को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, पुलिस ने सपा के एक नेता को गांव जाने से रोक दिया और भड़काऊ भाषण पर टोका, जिस पर उन्होंने माफी मांगी। 15 अक्टूबर को सुमित कुमार और अनिकेत को कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा था। 24 अक्टूबर को अनिकेत की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार्रवाई की मांग करते हुए अनिकेत के घरवालों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया था। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ से पीड़ित परिवार की बात कराई थी।

# तूफान 'मोंथा' का बढ़ा खतरा, हाई अलर्ट पर आर्मी

- आंध्र-बंगाल में तबाही मचाने आ रहा चक्रवाती तूफान ● ओडिशा के सभी 30 जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्वी मध्य अरब सागर और दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती सिस्टम के मद्देनजर भारतीय सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अगले 48 घंटों में चक्रवात 'मोंथा' के रूप में तीव्र होने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक चक्रवाती तूफान की स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और संबंधित राज्य सरकारों के साथ समन्वय में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। चक्रवाती तूफान मोंथा धीरे-धीरे पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है, जिसके कारण ओडिशा सरकार ने राज्य के सभी 30 जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में तूफान का असर देखने को मिलेगा। वहीं, आंध्र प्रदेश सरकार ने पहले ही सावधानी बरतते हुए राहत और आवश्यक आपूर्ति के लिए रणनीति तैयार कर ली है। एनडीआरएफ और सेना की टीम को हाई अलर्ट पर रखा गया है। आईएमडी के मुताबिक चक्रवाती तूफान मोंथा के आंध्र प्रदेश तट पर मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के नजदीक 28 अक्टूबर की शाम या देर रात के समय टकराने की संभावना है। इसकी रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। विभाग ने कहा कि ओडिशा और आंध्र

प्रदेश में 28 और 29 अक्टूबर को मूसलाधार बारिश होगी। ओडिशा सरकार ने चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण होने वाली तबाही से निपटने के लिए सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी है। अन्य जिलों के जिलाधिकारियों ने निचले इलाकों से लोगों को निकालने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों के 15 जिलों के चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम और विजयनगरम दोनों जिलों के अधिकारी चक्रवात 'मोंथा' के तूफानी प्रभाव से होने वाले संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयार हैं। इन जिलों के सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है।

# बिना छात्र के चल रहे देश के 8 हजार स्कूल!

- इन स्कूलों में तैनात हैं 20 हजार टीचर्स, हैरान कर रही रिपोर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देशभर में 2024-25 शैक्षणिक सत्र के दौरान करीब 8,000 स्कूलों में एक भी छात्र का एडमीशन नहीं हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक ऐसे स्कूल 3,812 थे, जिनमें शून्य नामांकन दर्ज किया गया।

- मंत्रालय के चौंकाने वाले आंकड़े, बंगाल में सबसे ज्यादा स्कूल

इसके बाद तेलंगाना 2,245 स्कूलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इन शून्य नामांकन वाले स्कूलों में कुल 20,817 टीचर तैनात थे। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल में ही 17,965 शिक्षक ऐसे स्कूलों में कार्यरत थे। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 सत्र के 12954 से घटकर 2024-25 में शून्य नामांकन वाले स्कूलों की संख्या 7993 रह गई, जो करीब 5,000 की कमी दर्शाती है। हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, असम, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में एक भी ऐसा स्कूल नहीं था। सीनियर अधिकारी ने बताया, स्कूल शिक्षा राज्य का विषय है। राज्यों को शून्य नामांकन की समस्या से निपटने की सलाह दी गई है। कुछ राज्यों ने संसाधनों जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ के उपयोग के लिए स्कूलों का विलय किया है। पुडुचेरी, लक्षद्वीप, दादरा व नगर हवेली, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, दमन व दीव और चंडीगढ़ जैसे संघ शासित प्रदेशों में शून्य नामांकन वाले स्कूल नहीं थे। दिल्ली में भी ऐसा कोई स्कूल नहीं है। मध्य प्रदेश में 463 ऐसे स्कूल थे, जहां 223 शिक्षक तैनात थे। तेलंगाना में 1,016 टीचर्स ऐसे स्कूलों में थे। उत्तर प्रदेश में 81 ऐसे स्कूल हैं। यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद ने घोषणा की है कि वह पिछले तीन लगातार शैक्षणिक सत्रों में शून्य नामांकन वाले संबद्ध स्कूलों की मान्यता रद्द करने की तैयारी कर रहा है।

## जॉब सीकर नहीं, अब क्रिएटर बन रहीं महिलाएं

### सीएम बोले, एमपी एक्सीलेंस अवॉर्ड में किया सम्मानित

**भोपाल।** भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सीएम डॉ मोहन यादव ने भोपाल वुमेंस हब द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश एक्सीलेंस अवॉर्ड में प्रदेश भर की प्रतिभाशाली महिलाओं, क्रिएटर्स और उद्यमियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, भाजपा शहर अध्यक्ष रविन्द्र यती, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल मौजूद थे। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- लाड़ली बहनों को नवंबर के महीने से डेढ़ हजार रुपए मिलेंगे वो राशि धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी। केवल यही नहीं जो बहनें अपने घर में लाड़ली बहना के बजाय रोजगार पाने आएंगी, उनको रेडिमेड गारमेंट से लगाकर सारे क्षेत्रों में तमाम योजनाओं का लाभ देंगे। उन्होंने कहा कि अगर बहनों के हाथ में ताकत देते हैं तो वह हमारी प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करने का भी कायदा है। हमारी संस्कृति माता-बहनों को नमन करते हुए मातृसत्ता से जोड़ने का काम केवल हमारा देश करता है। सीएम ने कार्यक्रम में शामिल हुई केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बहुओं को देखकर कहा इस कार्यक्रम में हमारी दो बहुएं रिद्धि और अमानत भी बैठी हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। सीएम ने कहा हमारे यहां रियासत काल में बेगम शासिकाएं हुई हैं।

### कांग्रेस के शासन में बहनों के लिए दरवाजे नहीं खोले

सीएम ने कहा- 5 लाख समूहों में 62 लाख बहनें काम कर रहीं। लखपति बहना में एक लाख बहनें काम कर रहीं हैं। सीएम ने कहा प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कई योजनाओं में लगातार बहनों को बढ़ावा दिया। कांग्रेस के शासन में बहनों के लिए कोई दरवाजे नहीं खोले। अब तो समय बदल गया है। 50 फीसदी स्थानीय निर्वाचन के चुनाव में बहनें जुड़ती थीं,अब विस-लोस में 33 फीसदी बहनें गौरवान्वित करेंगी।

## पुस्तकीय ज्ञान के साथ समसामयिक जानकारी है बेहद जरूरी: राज्यपाल

- मन की बात कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण आयोजन में हुए शामिल

**भोपाल।** राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही देश में हो रही प्रगति और विकास के बारे में समसामयिक जानकारी होना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम ऐसी अद्भुत पहल है, जिसमें देश में हो रहे नवाचारों और प्रगति की जानकारी मिलती है।

उन्होंने विश्व विद्यालयों के छात्रावासों में मन की बात कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण की व्यवस्था करने के लिए भी कहा है। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में मन की बात के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम के छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन ज्ञान विज्ञान भवन में किया गया।

# जीएसटी बचत, वंदे मातरम और छठ पर्व का जिक्र

- छठ पूजा की खरना पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार दिवसीय छठ महापर्व के एक प्रमुख अनुष्ठान खरना पूजा के लिए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं, जो सूर्य देव और छठी मैया के सम्मान में मनाया जाता है। पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी को महापर्व छठ की खरना पूजा की असीम शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को सादर नमन! श्रद्धा और संयम के प्रतीक इस पावन अवसर पर गुड़ से तैयार खीर के साथ ही सात्विक प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा रही है। मेरी कामना है कि इस अनुष्ठान पर छठी मइया हर किसी को अपना आशीर्वाद दें। अपने मैसेज के साथ, पीएम मोदी ने दिनेश लाल यादव, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'निरहुआ' के नाम से जाना जाता है,

उनका एक गीत साझा किया, जिसका टाइटल है सुख लेके उगिह दुख लेके डूबिह। दिनेश लाल यादव एक प्रमुख भोजपुरी अभिनेता, गायक, निर्माता और राजनीतिज्ञ हैं, जो भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हैं।

### 7 नवंबर को हम वंदे मातरम का उत्सव मनाएंगे

पीएम मोदी ने कहा, वेदों ने भारतीय सभ्यता की नींव इस भावना के साथ रखी कि पृथ्वी माता है और मैं उसकी संतान हूं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम की रचना करके मातृभूमि और उसकी संतानों के बीच के इसी रिश्ते को भावनाओं के ब्रह्मांड में एक मंत्र के रूप में प्रतिष्ठित किया। यह 7 नवंबर को है।

### जीएसटी बचत उत्सव को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह

पीएम मोदी ने कहा, जीएसटी बचत उत्सव को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह है। इस बार त्योहारों के दौरान भी कुछ ऐसा ही सुखद माहौल देखने को मिला। बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। मैंने अपने पत्र में खाद्य तेल की खपत में 10 फीसदी की कमी करने का भी आग्रह किया था और लोगों ने इस पर भी काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का राष्ट्रगीत वंदे मातरम है। यहहृदय में भावनाओं का सैलाब जगा देता है।

# पुलिस और बलों में कैसा काम कर रहे देसी कुत्ते

- खुद देखेंगे प्रधानमंत्री मोदी, विदेशी नस्ल की छुट्टी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ काम कर रहे देशी नस्ल के कुत्तों का काम पीएम मोदी खुद देखेंगे। राष्ट्रीय एकता दिवस के दिन यह मौका इसलिए और भी ज्यादा खास होगा क्योंकि 2020 में वह पीएम मोदी ही थे, जिन्होंने विदेशी नस्ल के कुत्तों की जगह पर देशी नस्ल के कुत्तों को ट्रेनिंग देने का विकल्प सुझाया था। उस समय तक सुरक्षा बल और पुलिस विदेशी कुत्तों की नस्लों जैसे जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर रिट्रीवर और बेल्जियन मलीनोइस आदि पर काफी निर्भर थे। अब पांच साल के बाद सेना और बलों के साथ भारतीय नस्ल के कुत्तों का बोलबाला है। प्रधानमंत्री मोदी के पांच साल पहले दिए गए सुझाव पर सुरक्षा बलों ने काफी काम किया। अब पीएम मोदी अपने सुझाव की सफलता का जायजा लेंगे। 31 अक्टूबर को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में होने

वाले परेड मार्च में भारतीय नस्ल के कुत्तों की एक पूरी टुकड़ी मार्च करेगी। इस टुकड़ी में मुढ़ोल हाउंड और रामपुर हाउंड जैसी भारतीय नस्ल के कुत्ते मौजूद रहेंगे। पीएम मोदी के सामने इस टुकड़ी का नेतृत्व महिला बीएसएफ मुढ़ोल रिया करेगी। उसे 2024 में लखनऊ में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट में विदेशी नस्लों के 116 प्रतिद्वंदियों को हराकर 'बेस्ट डॉग' का खिताब मिला था। गौरतलब है कि इस पूरी टुकड़ी की ट्रेनिंग बीएसएफ ने की है और वर्तमान में यह सभी पूर्वी सीमाओं और अन्य सीमा क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियानों और अन्य कामों में सैनिकों की मदद करते हैं। बीएसएफ कमांडेंट (पशु डॉक्टर) संदीप गुप्ता के मुताबिक देशी कुत्तों की एक टुकड़ी बनाने के लिए उन्होंने पीएम मोदी के कार्यक्रम मन की बात को अपनी प्रेरणा बनाया। इसके बाद उन्होंने भारतीय कुत्तों की नस्लों पर शोध करना शुरू किया और उनकी असली जेनरेशन तक रिसर्च की। दूसरी से तीसरी पीढ़ी पर ही हमें बेहतर परिणाम देखने को मिलने लगे। इसके बाद उनकी ट्रेनिंग शुरू की गई। फिलहाल अब तक 150 से ज्यादा भारतीय नस्लों के कुत्तों की ट्रेनिंग की जा चुकी है।

## तुर्की नहीं करवा पाया तालिबान और पाकिस्तान में समझौता

- 9 घंटे की बैठक बेनतीजा, दोनों देश अपनी-अपनी बात पर अड़े

**इस्तांबुल (एजेंसी)।** पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने डोनाल्ड ट्रंप की तर्ज पर प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने की कोशिश की। उन्होंने इंस्ताबुल में तालिबान के साथ होने वाली बैठक से पहले कहा था कि अगर बैठक बेनतीजा रहती है तो पाकिस्तान, अफगानिस्तान पर हमला करेगा। ये बैठक बेनतीजा रही है। करीब 9 घंटे की तालिबान और पाकिस्तान के बीच की बैठक बिना किसी औपचारिक समझौते के खत्म हो गई। तुर्की में हुई बैठक के दौरान दोनों देशों ने सीमा तनाव कम करने और तत्काल डी-एस्केलेशन पर सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक, यह वार्ता दोनों पक्षों के बीच बढ़ते अविश्वास के माहौल में हुई, जहां सैन्य, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कई बार काफी तीखी बहस हुई। हालांकि इसके बावजूद दोनों पक्षों ने अस्थायी शांति बनाए रखने पर सहमति जताई, जिसे सीनित राहत कहा जा रहा है, स्थायी समाधान नहीं।

## संक्षिप्त समाचार

### अरुणाचल में एचआईवी रैकेट! दो कर्मचारियों की खुदकुशी के बाद फरार हो गए आईएएस अधिकारी

**इंफाल, एजेंसी।** अरुणाचल प्रदेश में खुदकुशी के दोहरे मामले में आईएएस अधिकारी तालो पोटोम के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। 23 अक्टूबर को एक 19 साल के शख्स ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए खुदकुशी कर ली थी। दिल्ली सरकार में पीडब्लूडी में सचिव के तौर पर तैनात पोटोम इस समय फरार हैं। पीड़ित के परिवार का कहना है कि पोटोम की वजह से ही पीड़ित ने खुदकुशी की थी। परिवार ने कहा कि जब तक आईएएस गिरफ्तार नहीं हो जाते, वे शव भी नहीं स्वीकार करेंगे।19 साल के शख्स के अलावा रूरल वर्क डिपार्टमेंट के एक इंजीनियर ने भी खुद को गोली मार ली थी। पीड़ित किशोर ने दावा किया था कि उसका यौन उत्पीड़न किया गया और उसके साथ धोखेबाजी की गई। उसने एक अधिकारी पर आरोप लगाया था कि जान-बूझकर उसे एचआईवी पॉजिटिव कर दिया गया और फिर ब्लैकमेल किया गया। उसने अपने सुसाइड नोट में तालो पोटोम को भी जिम्मेदार ठहराया था। उसने कहा, अगर उन्होंने मुझे इस पद पर ना नियुक्त किया होता तो मैं आत्महत्या नहीं करता। मैंने जो कुछ भी किया उनकी वजह से ही किया और मेरे पास जीने का कोई रास्ता नहीं बचा था। पीड़ित के पिता ने नीरूजी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई।इस में अरुणाचल प्रदेश की पुलिस ने एक एसआईटी गठित की है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ आरोपों की जांच और आत्महत्या के पीछे की वजहों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि एईएएस पोटोम को तलाश करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने वाले इंजीनियर ने भी अपने नोट में एचआईवी पॉजिटिव होने की बात कही थी। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस ने कहा कि पोटोम की गिरफ्तारी के बाद उनका भी एचआईवी टेस्ट करवाया जाएगा।

### राम मंदिर का लाइव टेलीकास्ट देखना अपराध नहीं

**चेन्नई, एजेंसी।** मद्रास उच्च न्यायालय ने कोयंबटूर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सीधा प्रसारण के दौरान कथित रूप से सार्वजनिक उपद्रव करने के आरोप में दर्ज एक एफआईआर को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति एन. सतीश कुमार की एकल पीठ ने कहा कि धार्मिक आयोजन के लिए एकत्र होना अवैध जमावड़ा नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसमें किसी प्रकार की हिंसा या अपराध का तत्व न हो। न्यायमूर्ति ने कहा कि अभियोजन पक्ष के दस्तावेजों से यह साबित नहीं होता कि आरोपियों ने बल प्रयोग किया, अपराध किया या किसी के अधिकारों में हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने कहा, केवल इसलिए कि कुछ समूहों ने आपत्ति जताई, किसी धार्मिक सभा को आपराधिक गतिविधि नहीं कहा जा सकता है।

### सास को अपने साथ घर में नहीं रखना चाहती थी बहू, फरीदाबाद में घरेलू झगड़े से तंग पति ने दी जान

**फरीदाबाद, एजेंसी।** ग्रेटर फरीदाबाद में घरेलू कलह से तंग आकर एक युवक ने शुक्रवार देर रात कथित तौर पर सोसाइटी की 15वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक योगेश सिंह सेंगर गुरुग्राम स्थित प्राइवेट अस्पताल में रेडियोग्राफर था। फरीदाबाद पुलिस ने योगेश के चाचा की शिकायत पर मृतक की पत्नी और उसके ससुरालियों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक के चाचा ने बताया कि योगेश की पत्नी अपनी सास को साथ नहीं रखना चाहती थी। इसको लेकर आए दिन घर में झगड़े होते थे।भूपानी थाना पुलिस के मुताबिक, मध्य प्रदेश में ग्वालियर के टेकनपुर निवासी प्रकाश सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके भतीजे योगेश सिंह सेंगर की शादी करीब नौ साल पहले नोएडा के सेक्टर-22 निवासी नेहा से हुई थी। भतीजा गुरुग्राम स्थित निजी अस्पताल में काम करता था, उसकी पत्नी नोएडा में कार्यरत थी। उसका भतीजा अपने बेटे के पालन-पोषण के लिए अपनी मां को साथ रखना चाहता था।

## जे-के में क्रॉस वोटिंग पर बोले डिप्टी सीएम

# साबित हो गया बीजेपी वोट चोरी में शामिल है

**जम्मू , एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर से बीजेपी की राज्यसभा सीट जीतने से पार्टी पर लगे वोट चोरी के आरोप सही साबित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में गैर-बीजेपी पार्टियों के बीच क्रॉस-वोटिंग को लेकर चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच, चौधरी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस बीजेपी के साथ गठबंधन करने के बजाय सरकार छोड़ना पसंद करेगी।शुक्रवार को, सत्ताधारी एनसी ने तीन सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में

हुए पहले राज्यसभा चुनाव में चौथी सीट जीतने में कामयाब रही। उन्होंने कहा, हम सुनते थे कि बीजेपी वोट खरीदती और चुराती है लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोग इस पर विश्वास नहीं करते थे। लेकिन इस बार यह साबित हो गया है कि बीजेपी सच में वोट चोरी में शामिल है।डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने उधमपुर जिले में पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं बताऊंगा कि उन्होंने यह कैसे किया, इसमें पैसा लगा या नहीं, लेकिन जो भी हुआ, उन्होंने कुछ वोट मैनेज कर लिए। विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस, आरोप लगा रही हैं कि चुनाव जीतने के लिए बीजेपी और इलेक्शन कमीशन ने वोट चुराने के लिए मिलीभगत की है।चौधरी, जो एनसी कैंडिडेट शमीम बेगम के साथ नगरोटा उपचुनाव के लिए कैंपेन करने वाले हैं, ने कहा कि भाजपा के पास सिर्फ 28 मेंबर थे लेकिन उनके कैंडिडेट को 32 वोट मिले। उन्हें चार एक्स्ट्रा वोट कहां से मिले? उन्होंने कहा, यह लॉलीपॉप पार्टी हमें तहजीब और उसूलों का सबक सिखाती है लेकिन उन्हें तहज़ीब और उसूलों का सबक हमसे सीखना चाहिए।चौधरी ने कहा कि एनसी ने पैसे के बदले वोट नहीं दिए या कोई और वादा नहीं किया और कहा कि चीफ मिनिस्टर उमर अब्दुल्ला शुरू से कह रहे हैं कि बीजेपी हॉर्स-ट्रेडिंग करने जा रही है। उन्होंने कहा, उन्होंने हॉर्स ट्रेडिंग की है, जो अब साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि एनसी के किसी भी लेजिस्लेटर ने भाजपा कैंडिडेट के पक्ष में राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग नहीं की।उन्होंने कहा, हम सरकार छोड़ सकते हैं, लेकिन हम भाजपा के साथ अलायंस नहीं करेंगे।

## गुरुग्राम गांव कादरपुर में दो पक्षों में बवाल, मारपीट में 10 से ज्यादा घायल

**गुरुग्राम, एजेंसी।** गुरुग्राम के गांव कादरपुर ढाणी में गुरुवार देर रात को रास्ते को लेकर हुए विवाद में 2 पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच में जमकर लाठी-डंडे चले। इसमें दोनों पक्षों के 10 से ज्यादा लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। इसमें से दो युवकों का इलाज निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रास मामला भोंडसी थाने में दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रविंद्र और भारत ने पुलिस को शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि उनके पड़ोस में रहने वाला परिवार उनकी जमीन से जबरन रास्ता बनाने की कोशिश कर रहा था। इस विवाद को लेकर गुरुवार दोपहर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। बताया गया कि जब परिवार की बुजुर्ग महिला संतरा देवी ने बाहरी लोगों को रास्ते से आने से रोका तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ हाथापाई की।शाम के समय मामला शांत हो गया था लेकिन रात करीब साढ़े नौ बजे यह झगड़ा दोबारा शुरू हो। भारत ने बताया कि दूसरे पक्ष के आधा दर्जन से ज्यादा लोग लाठी-डंडों से लैस होकर घर पर आ गए और उनके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने बाहरी इलाकों से कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को भी बुला रखा था।हमले में पिता राजेंद्र, भाई प्रिंस, चाचा रविंद्र, मां मुकेश, चाची मुनेश और दादी संतरा देवी सहित कई लोग घायल हुए। इनमें राजेंद्र और प्रिंस की हालत गंभीर बताई जा रही है। भारत ने बताया कि उनकी ओर से पुलिस को पहले ही शिकायत दी गई थी लेकिन उसके बाद भी हमला हुआ। हमारे पास वीडियो है। महिलाओं को भी नहीं छोड़ा गया, उन्हें लाठियों से पीटा गया। मेरे पिता आईसीयू भर्ती हैं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठियां बरसाते दिखाई दे रहे हैं।

## खड़े ट्रक से टकराई पुलिसकर्मियों की कार, हेड कांस्टेबल समेत दो की मौत

**आगरा , एजेंसी।** यूपी में एक भीषण सड़क हादसे में पुलिसकर्मी समेत दो की मौत हो गई। हादसा आगरा में हुआ। इस दौरान पुलिस की कार ट्रक से टकरा गई और एक पुलिस कर्मी की मौत और अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि जयपुर हाईवे पर तेज रफ्तार पुलिस की कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में मौके पर ही पुलिसकर्मी समेत दो की मौत हो गई। इस हादसे में उप निरीक्षक समेत पांच घायल हो गए।

घटना थाना फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के जयपुर हाईवे के रिलायंस पेट्रोल पंप की है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार पुलिस कर्मी गाड़ी से राजस्थान के सूरतगढ़ से दबिश देकर वापस लौट रहे थे। निबोहरा थाने के पुलिसकर्मी और पीड़ित परिवार दबिश के लिए राजस्थान गए थे। जयपुर हाईवे पर रिलायंस पेट्रोल पंप के निकट ड्राइवर की झपकी लगने के चलते गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में जा घुसी। भीषण टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई। इस हादसे के बाद हाईवे के राहगीरों ने सीकरी पुलिस को सूचना दी।

मामले की जानकारी होते ही सूचना पर पहुंची सीकरी पुलिस ने घायलों को सीकरी सी एच सी भेजा और घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने आगरा रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि हादसे मैं कार चालक देव समेत हेड कांस्टेबल गौरव प्रताप सिंह की मौके पर ही मौत? हो गई। वहीं, दारोगा गौरव कुमार समेत एक अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा बेहद भीषण था। सीकरी पुलिस का कहना है कि घायलों का इलाज जारी है। मृतकों के परिजनों को सूचित किया जा रहा है।

## लेडी डॉक्टर के सुसाइड को लेकर खुलासे; पुलिस से कई दिनों से चल रहा था टकराव

**मुंबई , एजेंसी।** महाराष्ट्र के सतारा में सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या का मामला गरमाया हुआ है। अब पता चला कि वह स्थानीय पुलिस के साथ तीखे टकराव में उलझी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फलटण उप-जिला अस्पताल की डॉक्टर ने कई पुलिस अधिकारियों के नाम पर शिकायतें दर्ज की थीं, जबकि पुलिस ने उसके खिलाफ भी बदले की शिकायत की थी। इन आरोपों की जांच कर रही समिति को दिए 4 पेज के बयान में डॉक्टर ने उत्पीड़न के कई उदाहरण दर्ज कराए थे। उसने लिखा था कि उसे बीड़ कनेक्शन के कारण निशाना बनाया जा रहा है। पीड़िता ने चेतावनी दी थी कि अगर मेरे साथ कुछ होता है तो पुलिस जिम्मेदार होगी।

लेडी डॉक्टर ने यह बयान अगस्त 2025 में सौंपा था। 23 अक्टूबर की रात को फलटण के होटल के कमरे में वह फंदे से लटकी मिली। उसकी मौत को लेकर सुसाइड नोट में बलात्कार के आरोप भी दर्ज हैं, जो उसके हाथ की हथेली पर लिखा गया था। डॉक्टर ने दावा किया कि एक पुलिस अधिकारी ने उसके साथ कई बार रेप किया और एक अन्य व्यक्ति ने उसे परेशान किया। उसने अपने बयान में यह भी आरोप लगाया कि एक सांसद ने कई बार मेडिकल रिपोर्टों में हेराफेरी करने का दबाव डाला। जब उसने मना किया, तो उसे धमकी दी गई।

डॉक्टर और पुलिस के बीच टकराव के कुछ कारण थे। आरोपी व्यक्तियों की पुलिस हिरासत सुनिश्चित करने के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्टों में हेराफेरी का दबाव डाला जा रहा था। 19 जून 2025 को फलटण के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी को पत्र लिखा गया था। डॉक्टर ने पुलिस अधिकारियों के उपनामों का उपयोग करते हुए शिकायत की कि उसे आरोपी व्यक्तियों के लिए फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने का दबाव डाला जा रहा था। नामित अधिकारियों में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने भी शामिल थे, जिन पर उसने बलात्कार का आरोप लगाया था। जब उसकी शिकायत की अनदेखी की गई, तो 13 अगस्त को डॉक्टर ने एसडीपीओ को आवेदन दायर किया।

## लाल निशान से मची खलबली, बढ़ी दुकानदारों के दिल की धड़कन

**फिरोजाबाद , एजेंसी।** यूपी के फिरोजाबाद में सर्विस रोड के दोनों ओर सौंदर्यीकरण के अलावा चौड़ीकरण के कार्य की शुरुआत हो गई है। प्रथम चरण में अपनी हद से बाहर आने वाली दुकानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जिनकी तोड़फोड़ की जाएगी। इसके पश्चात अन्य कार्य तेजी से शुरू किए जाएंगे।

नगर निगम की देख-रेख में कार्यदायी संस्था आगरा की जय बिल्डर्स एवी डेवलपमेंट कंपनी ने लगभग एक दर्जन से अधिक दुकानों का चिन्हीकरण किया। चिन्हीकरण के कार्य से दुकानदारों में खलबली मच गई है। शुक्र वार को इस संबंध में लोग तरह-तरह की चर्चाएं करते देखे गए। सर्विस रोड पर सेंट्रल बैंक से लेकर वीनस ऑटो सेंटर तक

सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाना सुनिश्चित किया है। जिसको लेकर काफी समय पूर्व बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद इसे शासन के समक्ष भेजा था। शासन की स्वीकृति के बाद टेंडर प्रक्रिया के पश्चात इसकी जिम्मेदारी आगरा की जय बिल्डर्स एवी डेवलपमेंट कंपनी को सौंपी गई है। शुक्रवार को कंपनी के ठेकेदार सूरज सिंह के नेतृत्व में संस्था की टीम ने अपने कार्य को अंजाम दिया।

सर्विस रोड के दोनों ओर सेंट्रल बैंक से लेकर वीनस ऑटो तक सड़क का चौड़ीकरण, अंडरग्राउंड विद्युत केबल, ओवरब्रिज के नीचे सौंदर्यीकरण, अतिक्रमण हटाने के अलावा सड़कों का उच्चीकरण, जल भराव की समस्या का निदान एवं अन्य कार्य संपन्न कराए जाएंगे।

सर्विस रोड के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एण्ड अपग्रेडेशन के कार्य पर लगभग 25 लाख की धनराशि खर्च होगी। उपरोक्त धनराशि को शासन द्वारा पहले ही नगर निगम के निर्माण विभाग को अवमुक्त किया जा चुका है।

बेवजह नहीं की जाएगी तोड़फोड़। निर्देश के तहत कहा है कि उन्हीं दुकानों का चिन्हीकरण किया जा रहा है जो नाले के ऊपर अथवा सड़क पर बनाई गई हैं। नगर निगम निर्माण विभाग के सहायक अभियंता प्रेमपाल सिंह ने कहा कि शासन के निर्देश पर सर्विस रोड के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एण्ड अपग्रेडेशन का कार्य शुरू हो गया है।

## बस के अंदर रखे 234 मोबाइलों से भड़की आग? कूरनूल हादसे को लेकर चौंकाने वाला दावा

**हैदराबाद, एजेंसी।** आंध्र प्रदेश के कुरनूल में में आग लगने की घटना की जांच जारी है। इस बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। इसके मुताबिक बस के अंदर रखे गए 234 मोबाइलों के चलते आग इतना ज्यादा भड़की। बता दें कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल से बेंगलुरु जा रही निजी बस में आग लगने के चलते 20 लोग जिंदा जल गए। यह हादसा सुबह के समय हुआ, जब बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे।

बस हादसे को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक बस में करीब 46 लाख रुपए की कीमत के 234 स्मार्टफोन का कंसाइनमेंट रखा था। जानकारी के मुताबिक यह कंसाइनमेंट हैदराबाद के व्यापारी का था। व्यापारी का नाम मगननाथ बताया गया है। रिपोर्ट में फॉरेंसिक एक्सपर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्मार्टफोन की बैटरियों में होते धमाकों के चलते आग और ज्यादा भड़क उठी।

पुलिस ने इस मामले में दोनों बस ड्राइवरों के लापरवाही और ओवरस्पीड का मामला दर्ज किया है। यह केस हादसे में बचे एक यात्री एन रमेश की शिकायत पर दर्ज किया गया है। बस में दो ड्राइवर थे। इसमें एक 30 वर्षीय सिवा नारायण है। हालांकि हादसे के वक्त वह बस चला नहीं रहा था। वहीं, बस चला रहा लक्ष्मैया हादसे के बाद वहां से फरार हो गया। फिलहाल सिवा नारायण

पुलिस हिरासत में है।गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद, निजी बस में शुक्रवार को आग लग गई। इससे 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे कुछ दूरी तक घिसटती रही और इस बीच उसकी पेट्रोल टंकी का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। हादसे में अधिकतर शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकी। उनमें दो बच्चे और मोटरसाइकिल सवार भी शामिल हैं। इस हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं।

## बिग बॉस फेम तान्या मित्तल के खिलाफ थाने में शिकायत

**ग्वालियर , एजेंसी।** बिग बॉस फेम तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह मनोरंजन नहीं बल्कि एक विवाद है। ग्वालियर में उनके खिलाफ पोटाश गन चलाने का वीडियो वायरल होने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई है। दरअसल, ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एएसपी अनु बेनीवाल को इस वीडियो की शिकायत की है। शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा जारी आदेशों का उल्लेख करते हुए एफआईआर की मांग की है।वायरल वीडियो में तान्या मित्तल को पोटाश यानी कार्बाइड गन चलाते हुए देखा जा सकता है। यह वही गन है जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर ने धारा 163 के तहत पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। तान्या मित्तल का वीडियो सामने आने के बाद एएसपी ने जांच के आदेश दिए हैं। एएसपी के आदेश के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि प्रदेश में अब तक 300 से ज्यादा लोग ऐसे मामलों में अपनी आंखों की रोशनी गंवाने की कगार पर हैं। इसलिए इन गनों की बिक्री, खरीद और प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। एएसपी अनु बेनीवाल ने बताया कि शिकायत की जांच के लिए साइबर टीम को निर्देश दे दिए गए हैं और मामले

की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपी पाए जाने पर कार्रवाई हो सकती है।

आपको बता दे कि वर्तमान में तान्या मित्तल बिग बॉस शो में नजर आ रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लोग सुरक्षा और जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में अब देखना यह होगा कि जांच के बाद तान्या मित्तल पर क्या कार्रवाई होती है। क्या यह मामला सिर्फ सोशल मीडिया विवाद बनकर रह जाएगा, या फिर

## बिल्डर ऑफिस पर फायरिंग, एसटीएफ ने गैंगस्टर दीपक नांदल के 2 शार्प शूटर दबोचे

**गुरुग्राम एजेंसी।** हरियाणा एसटीएफ ने गैंगस्टर दीपक नांदल के आपराधिक नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। एसटीएफ ने नांदल के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सोनीपत निवासी नरेंद्र उर्फ बाबा और रोहतक निवासी मोहित उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। ये दोनों हाल ही में गुरुग्राम के सेक्टर-45 स्थित एक बिल्डर के दफ्तर पर हुई फायरिंग की वारदात में शामिल थे, जिसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर दीपक नांदल ने ली थी।

एसटीएफ की टीम इस गैंग की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की ओर से पहले शार्प शूटर नरेंद्र उर्फ बाबा को सोहना-फरीदाबाद रोड से गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि 22 तारीख को नरेंद्र उर्फ बाबा इस रोड से बाइक से गुजर रहा है।

एसटीएफ ने तुरंत जाल बिछाया और लखुवास कट के पास उसे धर दबोचा। उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस और एक क्रा5 बाइक बरामद हुई। गहन पूछताछ के लिए नरेंद्र को चार दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। नरेंद्र की गिरफ्तारी के

बाद एसटीएफ को सूचना मिली कि मुख्य शार्प शूटर मोहित उर्फ चिंटू केएमपी एक्सप्रेस-वे से गुजर रहा है। इस खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की टीम ने पंचगांव के पास जाल बिछाकर मोहित उर्फ चिंटू को भी पकड़ने में कामयाबी हासिल की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि बिल्डर को धमकाने और इलाके में गैंग का दबदबा कायम करने के मकसद से दीपक नांदल के इशारे पर ही फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार किए गए दोनों शार्प शूटरों का आपराधिक इतिहास रहा है। नरेंद्र उर्फ बाबा पर रोहतक में एक जबकि मोहित उर्फ चिंटू पर सोनीपत और रोहतक में दो आपराधिक मुकदमे पहले से ही दर्ज हैं। गैंगस्टर दीपक नांदल पहले भी कई संगीन मामलों को लेकर सुर्खियों में रहा है। बॉलीवुड गायक राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग कराने और प्रॉपर्टी डीलर रोहित शौकीन की हत्या के मामले में भी उसका नाम सामने आ चुका है। एसटीएफ की टीमें अभी भी नांदल गैंग के तीन अन्य शार्प शूटरों अरुण, गोकुल और फौजी की तलाश में जुटी हुई हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार दोनों शूटरों से पूछताछ के जरिए गैंग की आगे की योजनाओं और फरार सदस्यों के ठिकानों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

## बाप बना हैवान: झगड़े के बीच में मायके गई पत्नी, गुस्साए पति ने मासूम बच्चियों का गला रेता

**मुंबई , एजेंसी।** महाराष्ट्र के बुलढ़ाणा में एक पिता ही अपनी मासूम बच्चियों के लिए हैवान बन गया। झगड़े के बीच में पत्नी का बच्चियों को छोड़कर मायके जाना आरोपी को इतना नागवार गुजरा कि उसने बीच जंगल में ले जाकर अपनी दो जुड़वा मासूम बच्चियों का गला रेत दिया। इसके बाद उसने सीधे पुलिस स्टेशन जाकर बेटियों की हत्या की बात कबूल कर ली।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी व्यक्ति की पहचान वाशिम जिले के निवासी राहुल चव्हाण के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि चव्हाण अपनी दो बेटियों और पत्नी के साथ यात्रा कर रहा था। इसी दौरान उसकी अपनी पत्नी से तीखी बहस हो गई। झगड़े के बाद बीच में ही उसकी पत्नी मायके के लिए निकल गई। इसके बाद राहुल अपनी बेटियों के साथ ही आगे निकल गया। पत्नी के जाने से गुस्साया राहुल अपनी बेटियों को लेकर बुलढाणा जिले के अचारवाड़ी के एक जंगली इलाके में ले गया। यहां पर उसने गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। बच्चियों की हत्या करने के बाद चव्हाण सीधे वाशिम पुलिस स्टेशन गया, जहां पर उसने हत्याओं की बात कबूल कर ली। राहुल के कबूल नामे के बाद पुलिस उसके द्वारा बताई गई जगह पर गई।

## संक्षिप्त समाचार

### कलेक्टर ने उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की

रतलाम (निप्र)। रबी सीजन में किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की ।बैठक में एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव, महाप्रबंधक सहकारी बैंक श्री आलोक जैन उपायुक्त सहकारिता एन एस भाटी, उप संचालक कृषि श्रीमती नीलम चौहान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करें ।आज कलेक्टर सभाकक्ष में भावांतर भुगतान योजना के संबंध में कलेक्टर मिशा सिंह ने बैंकर्स की बैठक लेकर बैंकर्स को निर्देशित किया कि भावांतर भुगतान योजना अंतर्गत किसानों को फसल विक्रय का त्वरित भुगतान किया जाए। सभी बैंकर्स मण्डी में फसल विक्रय का किसानों को भुगतान की व्यवस्था के लिए एक -एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे। बैठक में एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव,एल डी एम मोहन लाल मीणा ,एसडी एम आर्ची हरित उप संचालक कृषि श्रीमती नीलम चौहान, मण्डी सचिव श्रीमती लक्ष्मी भवर सहित बैंकर्स एवं संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

### कलेक्टर ने भावान्तर भुगतान योजना के तहत कृषि उपज मण्डियों में सोयाबीन की खरीदी कार्य का निरीक्षण किया

शाजापुर (निप्र)। जिले की कृषि उपज मण्डियों में भावान्तर भुगतान योजना के तहत सोयाबीन की खरीदी आज से शुरू हो गई हैं। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज कृषि उपज मण्डी शाजापुर, अकोदिया एवं शुजालपुर में की जा रही सोयाबीन खरीदी कार्य का निरीक्षण किया ।कलेक्टर ने मण्डी सचिवों को निर्देश दिये कि किसानों का भुगतान समय पर करें। भुगतान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हो एवं भुगतान लंबित नहीं रखें। साथ ही उन्होंने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिये हैं कि कृषकों की भुगतान सूची पर अविलम्ब एनईएफटी, आरटीजीएस एवं ट्रांसफर आदि माध्यमों से राशि कृषकों के खातों में समय से प्रेषित करना सुनिश्चित करें ।कलेक्टर सुश्री बाफना ने संबंधित मण्डी सचिव को मण्डियों में भावान्तर भुगतान योजना के संबंध में फ्लैक्स-बैनर, माईक सिस्टम के माध्यम से प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने कहा कि किसानों को जानकारी दें कि भावान्तर योजना के तहत सोयाबीन फसलों का जो भुगतान किया जायेगा, वह आधार लिंक बैंक खाते में होगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपज बेचने आये कृषकों से चर्चा कर भावान्तर भुगतान योजना के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मण्डियों में किसानों के लिए की गई बैठक एवं पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि उपज मण्डी शाजापुर में अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले, शुजालपुर में अनुविभागीय अधिकारी श्री राजकुमार हलदर, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, व्यापारीगण, कृषकगण भी मौजूद थे।

### कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर इंदौर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने के अभियान के तहत की गई कार्रवाई

इन्दौर (निप्र)। इंदौर को भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाए जाने के संदर्भ में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भिक्षा लेने और देने वाले दोनों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आज महिला बाल विकास अधिकारी एवं उनकी टीम ने एमवाय हॉस्पिटल के सामने लगातार बैठ रहे भिक्षुकों पर कार्यवाही की गई। इनमें से जो लोग अस्पताल में आए मरीजों के परिजन थे और जिन्हें रहने का स्थान नहीं था उनके लिए वर्ल्ड कप चौराहा रैन बसेरा में रुकने का इंतजाम किया गया, जो लोग भिक्षावृत्ति कर रहे थे उन्हें रेस्क्यू कर अभियान के अंतर्गत रेन बसेरा पल्सीकर में रखा गया है। एमवाय हॉस्पिटल के सामने फुटपाथ, बस स्टॉप पर किए गए कब्जे को भी इनसे खाली करवाया गया। भाजपा कार्यालय के सामने स्थित गार्डन एवं दुकानों के समक्ष कई दिनों से रह रहे भिक्षुकों को भी रेस्क्यू किया गया। महिला बाल विकास एवं अन्य विभागों के समन्वय से बनी टीमों के द्वारा लगातार नगर के सभी मंदिर मस्जिद चौराहों आदि की निगरानी की जा रही है। भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान नोडल अधिकारी श्री दिनेश मिश्रा ने बताया कि इन्हें 15 दिनों के लिए उज्जैन शेल्टर हाउस सेवा धाम, भेजा जाएगा जहां पर उनकी काउंसलिंग एवं संभव सहायता की जाएगी और उनके रिहैबिलिटेशन पर कार्य किया जाएगा। इसके पूर्व नगर निगम चौराहा से लेकर एमजी थाने तक की पट्टी पर एमजी थाना प्रभारी, नगर निगम एवं महिला बाल विकास की टीम के द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई। भिक्षावृत्ति उन्मूलन टीम लगातार जगह-जगह कार्रवाई कर रही है। यह मुहिम लगातार जारी है।

# खंडवा में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

खण्डवा (निप्र)। मध्यप्रदेश एडहॉक शतरंज संगठन इंदौर के निर्देशन मे खण्डवा मे आयोजित दो दिवसीय श्री दादाजी धूनीवाले फीडे रेटिंग ओपन शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में हुआ। स्थानीय अरविंद कुमार नितिन कुमार हायर सेकेंडरी स्कूल मे आयोजित प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, श्री धर्मेंद्र बजाज और श्री हरीश कोटवाले भी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री पाटिल ने खंडवा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की 2 दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

सांसद श्री पाटिल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल शह और मात का खेल है। इस खेल में बुद्धिमत्ता, दूरदृष्टि और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल गतिविधियों को देश में पिछले 10-11 वर्षों में काफी बढ़ावा मिला है। पिछले 10 वर्षों में देश के कई खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर पदक भी जीते हैं। उन्होंने कहा कि सांसद कप प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही हैं। इस प्रतियोगिता से ग्रामीण खेल प्रतिभाएं निखर कर सामने आती हैं।

मांधाता विधायक श्री पटेल ने अवसर पर शतरंज प्रतियोगिता के आयोजन और दीपावली पर्व की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की पहल पर खंडवा जिले में दूसरी बार शतरंज की बड़ी प्रतियोगिता आयोजित हो रही है।

खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तन्वे ने इस अवसर पर कहा कि शतरंज का खेल हमें रणनीति और चाल चलने की कला सिखाता है। उन्होंने कहा कि हमें हर खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए हारद्दजीत के नजरिए से नहीं।

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने इस अवसर पर बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में लगभग 700 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिसमें लगभग 100 खिलाड़ी इंटरनेशनल रेटिंग वाले हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को सीखने की आदत नहीं छोड़ना चाहिए और खेल में सुधार लाने के लिए अच्छी किताबें पढ़ना चाहिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस अवसर पर बताया कि शीघ्र ही सांसद कप प्रतियोगिता के तहत शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए एक-दो दिन में पंजीयन भी शुरू हो जाएंगे । उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भूटान, नेपाल और श्रीलंका के खिलाड़ी भी शामिल हो रहे हैं । उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में 2 ग्रैंडमास्टर, 4 इंटरनेशनल मास्टर भी शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता फीडे के अंतरराष्ट्रीय नियमों के आधार पर खेली जा रही है। इस प्रतियोगिता के आधार पर शतरंज के नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय रेटिंग बनाने का सुनहरा अवसर मिलेगा । कार्यक्रम में जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री राजेश बछानिया, उपाध्यक्ष श्री रविंद्र थत्ते एवं सुनील शर्मा, सचिव श्री अजीत जैन कोषाध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी. एस. सोलंकी और निमाण एजुकेशन सोसाइटी के सचिव श्री प्रज्ञान गुप्ता भी उपस्थित थे।

### अंतर्राष्ट्रीय ग्रैंड मास्टर और इंटरनेशनल मास्टर भी प्रतियोगिता में हुए शामिल

जिला शतरंज संघ के सुनील शर्मा ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ग्रैंड मास्टर श्रीराम झा नई दिल्ली तथा मित्रभा गुहा पश्चिम बंगाल के अलावा इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खमपरीया, कटनी के श्री अनुज श्रीवर्ती और श्री आर्यन वार्ष्णेय, भूटान के कैंडिडेट मास्टर श्री सुकराज मोंजर, श्रीलंका से वूमेन इंटरनेशनल मास्टर श्री राणा सिंघे एस डी, नेपाल से श्री मणिराज डांगी भी शामिल हुए।

## कलेक्टर श्री वर्मा ने सांवेर मंडी का किया निरीक्षण

### लापरवाही मिलने पर दो अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई

इन्दौर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप किसानों को उनकी सोयाबीन उपज का उचित दाम दिलाने के लिए आज से राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ की गई है। मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए माकूल इंतजाम किए गए हैं। इन इंतजामों का निरीक्षण करने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सांवेर मंडी भी पहुँचे। मंडी में विभिन्न तरह की लापरवाही पाये जाने तथा सौपे गये दायित्वों का निर्वहन नहीं करने पर दो अधिकारियों के ?विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी सचिव श्री रमेशचंद्र सावदिया को कारण बताओ नोटिस देने तथा सहायक यंत्री श्री मनोज चौधरी को निलंबित करने हेतु ?निर्देशित किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने मंडी में किसानों के लिए सुविधाओं को देखा, किसानों से चर्चा की और खरीदी कार्य का जायजा ?लिया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सभी मंडियों में यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी तरह से किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उनके लिए भोजन, पेयजल, शयन, पर्याप्त पार्किंग, समय पर खरीदी, समय पर तुलवाई, समय पर भुगतान आदि की व्यवस्था रहें। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पंवार नवजीवन विजय, एसडीएम श्री घनश्याम धनगर भी मौजूद थे।

## भावांतर के हितग्राही किसान पंकज चावलिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया

रतलाम (निप्र)। किसान पंकज चावलिया निवासी जावरा जिला रतलाम ने भावांतर योजना की तारीफ करते हुए बताया कि यह योजना किसानों को संबल प्रदान करेगी। मेरी सोयाबीन फसल की बिक्री 4030 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर हुई। भावांतर योजना के माध्यम से समर्थन मूल्य और मण्डी मॉडल रेट के अंतर की राशि भी उन्हें बैंक खाते में सरकार द्वारा दी जाएगी।

पंकज चावलिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई भावांतर योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे किसानों की सोयाबीन फसल के नुकसान की भरपाई होगी। सरकार की यह योजना किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

जावरा मण्डी में अपनी सोयाबीन फसल बेचने आये ग्राम पटवारिया तहसील जावरा जिला रतलाम निवासी भूरसिंह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने भावांतर भुगतान योजना के तहत अपनी सोयाबीन फसल जावरा मण्डी में बेची, जिसका भाव 4500 रुपये प्रति क्विंटल मिला। उन्होंने मंडी की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें प्रवेश पर्ची के लिए परेशान नहीं होना पड़ा। मण्डी प्रांगण में छाया एवं पेयजल की व्यवस्था भी की गई है।

भूरसिंह ने बताया कि मंडी में सभी व्यवस्थाएं अच्छी थीं और उन्हें अपनी सोयाबीन बेचने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार की भावांतर भुगतान योजना से किसानों को सोयाबीन फसल की लागत के घाटे से उबरने में मदद मिलेगी।

**हस्तशिल्प मेला 13 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा**

## जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर की अध्यक्षता में हस्तशिल्प मेला समिति जिला पंचायत की बैठक आयोजित हुई

उज्जैन (निप्र)। आज दिनांक 25 अक्टूबर को दोपहर 12.30 से जिला पंचायत सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर अंतर सिंह देवड़ा की अध्यक्षता में मेला समिति हस्तशिल्प मेला जिला पंचायत उज्जैन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के हस्तशिल्प मेला समिति के सदस्य उपस्थित रहे जिसमें उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर भूपेंद्र सिंह सोलंकी के साथ श्री अमर सिंह पटेल, श्री राम प्रसाद पांडया, श्री शोभाराम मालवीय, बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करने के पहले श्री श्रेयांश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन के द्वारा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष जिला पंचायत का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। हस्तशिल्प मेला समिति की बैठक में मेले की तिथि 13 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित किए जाने पर सहमति प्रदाय की गई द्य मेला समिति की बैठक के प्रारंभ में विगत वर्ष में प्राप्त आय एवं व्यय पर चर्चा की एवं विभिन्न कार्यों के लिए अनुबंधित संस्थाओं से पूर्व वर्ष के दरों पर कार्य कराए जाने की सहमति प्रदाय की गई संस्थाओं के द्वारा टेंट व्यवस्था, लाइट व्यवस्था, माइक व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, झूला, फ्लेक्स बैनर इत्यादि अनुमोदन किया गया, मेला हेतु स्टॉल आवंटन एवं स्टॉल से प्राप्त किए जाने वाले शुल्क मे न्यूनतम वृद्धि कर नवीन दर समिति द्वारा अनुमोदित की गई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष के सुझाव अनुसार इस वर्ष का मेला स्वदेशी थीम के आधार पर लगाया जाना प्रस्तावित किया गयाद्य हस्तशिल्प मेला 2025 में 1152 आवेदन विभिन्न राज्यों के शिल्पियों द्वारा ऑनलाइन प्रेषित किए गए, एवं 83 आवेदन फूड जोन की स्थलों के लिए ऑनलाइन प्राप्त हुए जिनका पात्रता परीक्षण कर फाइनल सूचियां तैयार की जाएगी, जिसमें से कंप्यूटराइज लॉटरी पद्धति के माध्यम से स्टॉल निर्माण अनुसार शिल्पियों का चयन किया जाना प्रस्तावित है, बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक को समाप्त किया गया।

## जिले में कार्बाइड गन के निर्माण, क्रय-विक्रय, उपयोग एवं प्रदर्शन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

धार (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में कार्बाइड गन के निर्माण, क्रय-विक्रय, उपयोग एवं प्रदर्शन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के तहत यह कि कोई भी व्यक्ति/संस्थायें, व्यापारी प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी, लोहा/स्टील अथवा पीवीसी पाईपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (काबाईड गन) का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, वितरण, प्रदर्शन, चलाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। धार जिले में आम नागरिकों की जान-माल, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा पर्यावरण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से गैस लाइटर, प्लास्टिक पाइप लाइन ओर कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग से बनी ÷कार्बाइड गन÷ तथा इसी प्रकार के विधि विरुद्ध अन्य खतरनाक उपकरणों के निर्माण, क्रय, विक्रय, प्रदर्शन एवं इसके उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित किया जाता है। यह आदेश नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण की रक्षा, प्रदूषण की रोकथाम से संबंधित होकर आम-जन से संबंधित है। एस.डी.एम./पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभाग इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करवायेंगे तथा उल्लंघन की दशा में तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उपरोक्त शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित प्रत्येक व्यक्ति इस प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन का दोषी होगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत् दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

## रोजगार मेला सम्पन्न, 102 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये

इन्दौर (निप्र)। भारतीय डाक विभाग इंदौर परिक्षेत्र की मेजबानी में आज इंदौर में 17 वें रोजगार मेले का आयोजन रविंद्र नाट्य गृह में किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री दुर्गादास उईके , जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री गोलू शुक्ला विशेष रूप से मौजूद थे।

उक्त रोजगार मेला में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों जैसे रेल्वे, वित्त, उच्च शिक्षा, आयकर, एवं डाक विभाग इत्यादि के लगभग 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को 40 केन्द्रों पर वर्चुअल नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इन्दौर में 102 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। जिसमें से 25 अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम में इंदौर सेंटर पर दूरस्थ स्थानों से जैसे खण्डवा, मंदसौर, रतलाम, सीहोर, उज्जैन, धार, देवास के साथ-साथ स्थानीय इंदौर से भी केंद्र सरकार के विभिन्न विभागो में नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रतिवर्ष आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु नियमित अवसर निर्मित हो रहे है, जिसके माध्यम से युवाओ को भारत सरकार के विभिन्न प्रतिष्ठित विभागो में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।

### शाजापुर में पंच-ज अभियान के तहत श्रमदान कार्यक्रम 28 अक्टूबर को

शाजापुर (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर की मंशा अनुरूप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर के तत्वावधान में पंच-ज अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए 28 अक्टूबर 2025 को सायं 05:00 बजे बस स्टेण्ड शाजापुर में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर समस्त न्यायाधीशगण, न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी और अधिवक्तागण लगभग 150 की संख्या में उपस्थित होकर श्रमदान करेंगे। इसके पूर्व 28 अक्टूबर 2025 (मंगलवार) को दोपहर 2.00 बजे से ए.डी.आर. सेंटर भवन जिला न्यायालय परिसर शाजापुर में प्रेस वार्ता का आयोजन भी किया गया है।

### किसानों को प्राथमिकता के आधार पर भुगतान हो-कलेक्टर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने रतलाम मण्डी का निरीक्षण किया

रतलाम (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने रतलाम मंडी में भावांतर भुगतान योजनांतर्गत खरीदी प्रारंभ के अवसर पर मंडी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने मंडी सचिव एवं एसडीएम को निर्देश दिये कि खरीदी का भुगतान तत्काल हो इसके लिए बैंकों के शाखा प्रबंधकों और उनके नोडल अधिकारियों के सीधे संपर्क में रहकर किसानों को प्राथमिकता के आधार पर भुगतान करवायें। बैंकर्स की सूची मंडी कार्यालय में चस्पा कर दे, जिससे उनसे सीधे संपर्क किया जा सके।

बैंकों के माध्यम से भावान्तर योजना अंतर्गत किसानों को होने वाले लेन-देन को बिना किसी देरी के और प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निपटाया जाए। नोडल अधिकारी खरीदी की सतत मॉनिटरिंग करे। किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए।

## ट्रैक्टर ट्राली दुर्घटना की पीड़ित सोनू को 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई

खण्डवा (निप्र)। गत दिनों ग्राम अर्दला के तालाब में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई ट्रैक्टर ट्रॉली दुर्घटना की पीड़ित कुमारी सोनू निवासी पाडलफाटा को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने रेडक्रॉस से 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। जनपद पंचायत पंधाना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुरेश टेमने ने बताया कि सोनू पिता छिजू निवासी पाडलफाटा को आर्थिक मदद उपलब्ध करा दी गई है।

### राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों ने दुकानों का निरीक्षण किया

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले एव थाना प्रभारी कोतवाली श्री संतोष वाघेला ने नगर की बॉम्बे हार्ड वेयर तथा मीरकंला क्षेत्र की दुकानों का निरीक्षण कर केल्शियम कार्बेट को विक्रय नहीं करने कि सख्त हिदायत दी हैं।

संपादकीय

# टीम हेमंत : संतुलित कार्यकारिणी

मध्यप्रदेश भाजपा की बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी अंततः तीन माह बाद घोषित हो ही गई। नई 25 सदस्यीय कार्यकारिणी में लगभग आधे से ज्यादा लोग पुराने ही हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपने स्वभाव के अनुरूप सभी को 'एडजस्ट' करने का प्रयास किया है। माना जा रहा है कि खंडेलवाल ने संघ और संगठन मंत्री हितानंद शर्मा की सिफारिशों को ज्यादा महत्व दिया है। मोटे पर कार्यकारिणी में सभी बड़े नेताओं की अनुशंसाओं को अहमियत दी है। जानकारों के अनुसार नई कार्यकारिणी में संगठन मंत्री हितानंद शर्मा के पांच, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के चार, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के दो, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दो तथा विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के दो समर्थकों को कार्यकारिणी में एडजस्ट किया गया है। गुरुवार को भाजपा केंद्रीय मुख्यालय से यह सूची जारी की गई है। टीम हेमंत में लता वानखेड़े, सुमेर सोलंकी, गौरव रणदिवे और राहुल कोठारी बने प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। खंडेलवाल के अध्यक्ष बनने के 3 महीने 21 दिन बाद टीम घोषित की गई है। अहम बात यह है कि मौजूदा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल को उनके अच्छे परफार्मेंस और मीडिया से अच्छे सम्बंधों के कारण दोबारा मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरतलब है कि राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले लोकेंद्र पाराशर को हटाकर आशीष अग्रवाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी प्रकार रीवा संभाग के संगठन मंत्री रहे श्याम महाजन को प्रदेश कार्यालय मंत्री बनाया गया है, जबकि अखिलेश जैन कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। चार मोर्चों के अध्यक्ष भी बदले गए हैं। पुराने चेहरों की बात करें तो रणबीर रावत महामंत्री से उपाध्यक्ष बने वीडी शर्मा की टीम में प्रदेश महामंत्री के तौर पर काम कर चुके पूर्व विधायक रणबीर सिंह रावत अब उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। विधायक मनीषा सिंह को प्रमोट कर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व में संभागीय संगठन मंत्री रहे शैलेंद्र बरुआ अब बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष बने हैं। सीएम के करीबी प्रभुलाल जाटव और ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक पूर्व मंत्री प्रभुराम चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। कांत देव सिंह एक बार फिर से प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश युवा कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष निशांत खरे भी उपाध्यक्ष बने हैं। भाजपा नेता राहुल कोठारी का महत्व और बढ़ सकता है। उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का करीबी माना जाता है। राहुल 2016 में बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता बने और 2020 से प्रदेश मंत्री हैं। चर्चा है कि कोठारी को प्रदेश कार्यालय प्रभारी बनाया जा सकता है। लेकिन पूर्व अध्यक्ष वीडी शर्मा के कार्यकाल में महामंत्री भगवान दास सबनानी कार्यालय प्रभारी थे। उन्हें नई कार्यकारिणी में जगह नहीं मिली है। पूर्व अध्यक्ष वीडी शर्मा की कार्यकारिणी में 14 उपाध्यक्ष, 14 मंत्री और 5 महामंत्री थे । नई कार्यकारिणी में 13 पदाधिकारी पिछली टीम से दोबारा शामिल किए गए हैं। 16 नए कार्यकर्ताओं को स्थान मिला है। नई टीम में 7 महिलाओं को भी कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने उपाध्यक्ष और मंत्री के कुछ पद खाली रखे हैं, ताकि भविष्य में संगठनात्मक जरूरत और संतुलन के अनुसार नए चेहरों को अवसर दिया जा सके। वैसे पिछले अध्यक्षों के कार्यकारिणी गठन में लगने वाले समय की तुलना की जाए तो हेमंत खंडेलवाल के काफी जल्दी यानी पदभार संभालने के मात्र 3 माह 21 दिन में कार्यकारिणी का गठन कर दिया है। हालांकि नई कार्यकारिणी को लेकर कुछ असंतोष भी है। लेकिन यह भी सच है कि सभी को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। फिर भी कार्यकारिणी में जातीय समीकरण और आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मुकाबला करने के जरूरत को देखते हुए यह कार्यकारिणी काफी हद तक संतुलित और परफार्मर मानी जा सकती है।

# योगी की संघ और संगठन से दूरी के परिणाम

**योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही प्रशासनिक स्तर पर कठोर निर्णयों के लिए ख्याति अर्जित की है। अपराध नियंत्रण, अवैध निर्माणों पर कार्रवाई, माफिया राज के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और हिंदू गौरव के मुद्दों पर उनकी आक्रामक छवि ने उन्हें जनता में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने नौकरशाही को अपने नियंत्रण में रखा और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित किया। यही कारण है कि जनता के बीच उनकी छवि 'कड़े प्रशासक' और 'निर्भीक नेता' की बन चुकी है। परंतु यह वही शैली है जिससे संगठन के भीतर असहजता भी महसूस की जा रही है। भाजपा के कई विधायक और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी बार-बार यह शिकायत करते हैं कि योगी सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होती। थानों से लेकर जिला स्तर के अफसरों तक, विधायकों को हस्तक्षेप का अधिकार लगभग समाप्त हो चुका है।**

**अजय कुमार**

उत्तर प्रदेश की राजनीति में योगी आदित्यनाथ आज एक ऐसा नाम बन चुके हैं, जो अनुशासन, प्रशासनिक सख्ती और हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। 2017 में, जब उन्होंने राज्य की कमान संभाली थी, तब यह माना जा रहा था कि संघ और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने एक युवा और दृढ़ नेतृत्व को आगे रखा है, जो कानून व्यवस्था को सुधार सके। लेकिन आज, अपने दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे करने के बाद, योगी की राजनीतिक यात्रा कई नए संकेत दे रही है, जिसमें उनकी स्वतंत्र कार्यशैली, पार्टी के भीतर की खींचतान, और केंद्र से बढ़ती दूरी स्पष्ट झलकती है।

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही प्रशासनिक स्तर पर कठोर निर्णयों के लिए ख्याति अर्जित की है। अपराध नियंत्रण, अवैध निर्माणों पर कार्रवाई, माफिया राज के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और हिंदू गौरव के मुद्दों पर उनकी आक्रामक छवि ने उन्हें जनता में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने नौकरशाही को अपने नियंत्रण में रखा और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित किया। यही कारण है कि जनता के बीच उनकी छवि 'कड़े प्रशासक' और 'निर्भीक नेता' की बन चुकी है। परंतु यह वही शैली है जिससे संगठन के भीतर असहजता भी महसूस की जा रही है। भाजपा के कई विधायक और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी बार-बार यह शिकायत करते हैं कि योगी सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होती। थानों से लेकर जिला स्तर के अफसरों तक, विधायकों को हस्तक्षेप का अधिकार लगभग समाप्त हो चुका है। योगी सरकार में दो उपमुख्यमंत्री हैं, केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक। दोनों ही प्रदेश राजनीति के अलग-अलग सामाजिक समीकरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केशव ओबीसी और बृजेश ब्राह्मण वर्ग से आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से यह चर्चा आम है कि इन दोनों नेताओं और योगी के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। केशव

प्रसाद मौर्य कई बार सोशल मीडिया पर ऐसे ट्वीट कर चुके हैं, जिन्हें राजनीतिक संकेत के रूप में देखा गया। वहीं बृजेश पाठक पिछले कुछ महीनों में अपने अलग कार्यक्रम और कार्यशैली के चलते सीमित राजनीतिक संपर्क बनाए हुए हैं। ये घटनाएँ इस धारणा को मजबूत करती हैं कि योगी ने सरकार को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा है, जिससे सहयोगी मंत्री केवल औपचारिक भूमिका निभा रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों में केंद्र और लखनऊ के बीच संवाद की कमी पर राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठे हैं। केंद्रीय मंत्रियों का उत्तर प्रदेश के दौरों में कमी आना, योगी का राष्ट्रीय कार्यक्रमों से अक्सर अलग रहना और केंद्रीय नेतृत्व के बयानों में योगी का नाम कम आना, इन सब संकेतों ने यह अटकलें तेज की है कि दिल्ली योगी से बहुत प्रसन्न नहीं है। हालांकि भाजपा का आधिकारिक रुख हमेशा यह कहता रहा है कि केंद्र और राज्य में कोई मतभेद नहीं है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि योगी का आत्मनिर्भर मॉडल, यानी बिना केंद्रीय दबाव के निर्णय लेना, पार्टी की पारंपरिक संरचना को चुनौती देता है। भाजपा का संगठनात्मक ढांचा सामूहिक निर्णय की संस्कृति पर चलता है, जबकि योगी का प्रशासन टॉप-डाउन मॉडल पर आधारित है।

प्रदेश के विधायकों में यह भावना बढ़ रही है कि अफसरशाही के ऊपर उनका नियंत्रण नाममात्र का रह गया है। विधायक अपने क्षेत्र में शिकायतें करते हैं कि थानेदार, एसडीएम या डीएम तक उनकी बात नहीं सुनते। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शिकायत निवारण तंत्र तो सशक्त बनाया है, पर ज़मीनी स्तर पर राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश समाप्त कर दी गई है। इससे विधायकों में हीनभावना के साथ नाराज़गी भी बढ़ी है। यही असंतोष तब और बढ़ जाता है, जब मुख्यमंत्री योगी किसी जनप्रतिनिधि की आलोचना पर सीधे कार्रवाई कर देते हैं या उसे सार्वजनिक रूप से नजरअंदाज करते हैं। भाजपा के मूल संगठनात्मक अनुशासन में यह अप्रत्याशित माना जाता है, लेकिन योगी के लिए यह साफ-सुथरा शासन बनाए रखने की नीति का हिस्सा है।

इन सभी घटनाक्रमों से यह स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ ने खुद को मात्र एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक राजनीतिक ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। योगी मॉडल आज राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा समर्थकों के बीच चर्चा का विषय है। यूपी के कड़े प्रशासनिक मॉडल, हिंदुत्व की वैचारिक नींव और अपराध नियंत्रण में सफलता ने उन्हें जनता में स्वतंत्र पहचान दी है। केंद्र से दूरी या आंतरिक असहजता के बावजूद, योगी की लोकप्रियता में अभी कोई स्पष्ट गिरावट नहीं देखी जा रही है। लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या यह स्वतंत्र छवि भविष्य में पार्टी संरचना के भीतर उन्हें और अलग-थलग कर सकती है? राजनीतिक विश्लेषकों की राय में, यदि योगी संघ और पार्टी दोनों के साथ सामंजस्य बनाए रखने में असफल होते हैं, तो उनकी राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका सीमित हो सकती है।

योगी का नेतृत्व एक स्पष्ट व्यक्तिगत ब्रांड की तरह उभर रहा है। उनके अनुयायी उन्हें हिंदू हृदय सम्राट की उपाधि से देखते हैं, जो भाजपा के पारंपरिक सामूहिक नेतृत्व से अलग दिशा की ओर संकेत करती है।

वे कई मायनों में नरेंद्र मोदी के शुरुआती मुख्यमंत्री काल के समान दिखते हैं। मजबूत व्यक्ति छवि, प्रशासनिक नियंत्रण और कठोर निर्णय क्षमता के साथ। किन्तु पार्टी नेतृत्व यह नहीं चाहता कि कोई मुख्यमंत्री राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र के समानांतर छवि बनाए। यही कारण है कि केंद्र लगातार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। संघ परिवार के कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता भी यह मानते हैं कि योगी को अपनी प्रशासनिक सख्ती के साथ संगठनात्मक समन्वय बढ़ाना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ की राजनीति इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रही है। वे जनता में लोकप्रिय हैं, लेकिन पार्टी संरचना में उनके बारे में मिश्रित भावनाएँ हैं। प्रदेश में उनके खिलाफ सीधी चुनौती नहीं दिखाई देती, परंतु यह आंतरिक दूरियाँ उनकी राजनीतिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। आने वाले दो वर्षों में यदि योगी संगठन, विधायकों और केंद्र के साथ तालमेल मजबूत नहीं कर पाते, तो यह उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर सीमाएँ लगा सकता है। वहीं यदि वे संवाद और समन्वय के नए रास्ते चुन लेते हैं, तो वे भाजपा के भीतर भविष्य के शीर्ष नेतृत्व में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकते हैं।अभी के लिए यह कहना उचित होगा कि योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, बल्कि एक उभरते राजनीतिक प्रतीक भी हैं, जिनकी अगली राजनीतिक मंज़िल इस बात पर निर्भर करेगी कि वे सख्त प्रशासक की अपनी पहचान को सर्वस्वीकार्य नेता के रूप में कैसे स्थापित कर पाते हैं।

अध्यात्म

## परेशानियों की वजह से बढ़ती है योग्यता और संघर्ष क्षमता

एक किसान की फसल बारिश और ठंड की वजह से बार-बार खराब हो रही थी, उसने भगवान से प्रार्थना की कि अब से मौसम उसकी जरूरत के हिसाब से चलना चाहिए, भगवान ने तथास्तु कह दिया एक प्रचलित कथा के अनुसार पुराने समय में एक किसान की फसल बार-बार खराब हो रही थी। कभी तेज बारिश की वजह से, कभी तेज धूप की वजह से, कभी ठंड की वजह से उसकी फसल पनप नहीं पा रही थी। एक दिन इससे दुखी होकर किसान भगवान पर नाराज हो गया। वह भगवान को लगातार कोस रहा था। तभी वहां भगवान प्रकट हुए। किसान ने भगवान से कहा कि भगवन् आपको खेती की बिल्कुल भी जानकारी नहीं है, आपकी गलत समय पर बारिश कर देते हो, कभी भी तेज धूप और ठंड बढ़ा देते हो। इससे हर बार मेरी फसल खराब हो जाती है। आप मेरी अगली फसल तक मेरे अनुसार मौसम कर दीजिए। जैसा मैं चाहूं, वैसा ही मौसम रहे। ये बातें सुनकर भगवान ने कहा कि ठीक अब से ऐसा ही होगा। ये बोलकर वे अंर्तध्यान हो गए। अगले दिन से किसान ने फिर से गेहूं की खेती शुरू कर दी। अब जब वह बारिश चाहता था, तब बारिश होती, फसल के लिए जब उसे धूप की जरूरत होती, तब धूप निकलती। इस तरह उसकी इच्छा के अनुसार मौसम चल रहा था। धीरे-धीरे उसकी फसल तैयार हो गई। हरे-भरे खेत को देखकर किसान बहुत खुश था। जब फसल कटाई का समय आया तो उसने देखा कि फसल की बालियों में गेहूं थे ही नहीं, सब की सब खोखली बालियां थीं। ये देखकर उसने फिर से भगवान को याद किया। भगवान प्रकट हुए तो इसकी वजह पूछी। भगवान ने कहा कि तुम्हारी फसल ने बिल्कुल भी संघर्ष नहीं किया है, इसी वजह से ये खोखली हो गई है। जब फसलें तेज बारिश में, तेज हवा में खुद को बचाए रखने का संघर्ष करती है, तेज धूप से लड़ती है, तभी उसमें दाने बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। जिस तरह सोने को चमकने के लिए आग में तपना पड़ता है, ठीक उसी तरह फसलों के लिए भी संघर्ष जरूरी होता है। ये बात किसान को समझ आ गई और उसे अपनी भूल का अहसास हो गया।

**सीख**

इस कथा की सीख यह है कि जब तक हमारे जीवन में बाधाएं नहीं आती है, तब तक हमारी प्रतिभा में निखार नहीं आता है। बाधाएं ही हमें साहसी बनाती हैं। परेशानियों की वजह से ही हमारा सही विकास होता है।

# दिवाली बाद गहराया देशव्यापी प्रदूषण और सजगता

**देशव्यापी प्रदूषण गहराने की रिपोर्ट भले ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दी है, लेकिन यह आशंका पूर्व से ही थी कि दिल्ली एनसीआर समेत पूरे देश में वायु प्रदूषण में वृद्धि दर्ज की जाएगी? सांस, दमा और अस्थमा के रोगियों को परेशानी होगी। क्योंकि वायु गुणवत्ता बद से बदतर होने की श्रेणी में पहुंच जाएगी। यह स्थिति तब है, जब दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से चिंतित शासन-प्रशासन तो रहता ही है, सर्वोच्च न्यायालय की चिंता भी पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर देखी जाती रही है। इसलिए न्यायालय ने हरित पटाखों को चलाने की अनुमति दी थी, लेकिन निगरानी की ऐसी कोई विधि सरकार के पास नहीं है कि हरित पटाखों की ओट में सामान्य पटाखे चलाए ही न जाएं ?**

**प्रमोद भार्गव**

ग्रीन पटाखों को लेकर यह धारणा है कि तुलनात्मक रूप में वे सामान्य पटाखों से प्रदूषण मुक्त हैं, लेकिन इनकी पहचान आसान नहीं है। दरअसल पटाखे इतनी बड़ी मात्रा में पूरे देश में बनते हैं कि इनकी गुणवत्ता एवं मानक की परख करना असंभव है। इस दायित्व के निर्वहन की जवाबदेही 'राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान' (नीरी) को है अवश्य, किंतु मानक निर्धारण की नैतिक जुम्मेबारी पटाखे निर्माताओं और फिर उन पर निगरानी सरकारी तंत्र की है, जो अक्सर दायित्व निभाने में लापरवाह रहता है। इसीलिए वायु गुणवत्ता प्रदूषण का सूचकांक दिल्ली में कई स्थानों पर एक्यूआई 351 के पार दर्ज किया गया। हरियाणा के जींद में यह प्रदूषण सबसे अधिक 421 पर दर्ज हुआ है। यही हकीकत हर साल बनी रहती है।

रिपोर्ट के अनुसार राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषित हवा बह रही है। दस शहरों में दिल्ली 10वें नंबर पर है। शेष 9 शहरों में 8 हरियाणा और एक राजस्थान का है। यानी दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा की हवा अब देश के राज्यों में सबसे ज्यादा प्रदूषित हो चुकी है। सीपीसीबी देश के 271 नगरों की हवा की गुणवत्ता की निगरानी रखता है। इनमें से 20 नगरों की वायु इस बार दिवाली के बाद अच्छी रही है, जबकि 54 नगरों में संतोषजनक और 103 नगरों में मध्यम स्तर की रही है। दीपावली के बाद दिल्ली में पीएम 2.5 का चौबीस घंटे में औसत 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुआ, जो पिछले पांच साल में सबसे अधिक है। यह स्थिति तब है, जब हरियाणा एवं पंजाब में 2024 के अनुपात में पराली जलाने की घटनाएं 77.5 प्रतिशत घटी हैं। यहां यह जानने की जरूरत है कि पीएम 2.5 की मात्रा एक्यूआई का ही एक भाग है। एक्यूआई वायु में मौजूद 2.5 पीएम-10 ओजोन व अन्य प्रदूषणकारी गैसों की मात्रा को गणना करके तय किया जाता है। दिल्ली में वैसे भी ठंड की शुरूआत होने के साथ ही हवा गहराने लगती है, और प्रदूषण का संकट बढ़ने लगता है। यह स्थिति लगभग प्रतिवर्ष निर्मित होती है, लेकिन विडंबना है कि इन तथ्यों को जानते-बूझते सरकार नजरअंदाज कर देती है। इसलिए प्रदूषण सुधार के जो चंद उपाय किए जाते हैं, वे बेअसर साबित होते हैं। अतएव प्रदूषण उत्सर्जन के कारण यथावत बने रहते हैं। हम जानते है कि बच्चे और किशोर आतिशबाजी के प्रति अधिक उत्साही होते हैं और उसे चलाकर आनंदित भी होते हैं। जबकि यही बच्चे वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से अपना स्वास्थ्य भी खराब कर लेते हैं। खतरनाक पटाखों की चपेट में आकर अनेक बच्चे आंखों की रोशनी और हाथों की अंगुलियां तक खो देते हैं। बावजूद समाज के एक बड़े हिस्से को पटाखा मुक्त दिवाली रास नहीं आती है। इसीलिए अदालती आदेश के बाद यह बहस चल पड़ती है कि दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक स्तर 2.5 पीएम पर प्रदूषण पहुंचने का आधार क्या केवल पटाखे हैं ? सच तो यह है कि इस मौसम में हवा को प्रदूषित करने वाले कारणों में

बारुद से निकलने वाला धुआं एक कारण जरूर है, लेकिन दूसरे कारणों में दिल्ली की सड़कों पर वे कारें भी हैं, जिनकी बिक्री निरंतर उछाल पर है। नए भवनों की बढ़ती संख्या भी दिल्ली में प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाया जाना भी दिल्ली की हवा को खराब करने का एक कारण है। इस कारण दिल्ली के वायुमंडल में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ जाता है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर वायु का स्तर 10 पीएम से कम होना चाहिए। पीएम वायु में घुले-मिले ऐसे सूक्ष्म कण है, जो सांस के जरिए फेफड़ों में पहुंचकर अनेक बिमारियों का कारण बनते हैं। वायु के ताप और आपेक्षिक आद्रता का संतुलन गड़बड़ा जाने से हवा प्रदूशण के दायरे में आने लगती है। यदि वायु में 18 डिग्री सेल्सियस ताप और 50 प्रतिशत आपेक्षिक आर्द्रता हो तो वायु का अनुभव सुखद लगता है। लेकिन इन दोनों में से किसी एक में वृद्धि, वायु को खतरनाक रूप में बदलने लगती है। 'राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम' (एनएसीएमपी) के मातहत 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल' वायु में विद्यमान ताप और आद्रता के घटकों को नापकर यह जानकारी देता है कि देश के किस नगर में वायु की शुद्धता अथवा प्रदूषण की क्या स्थिति है। मापने की इस विधि को 'पार्टिकुलेट मैटर' मसलन 'कणीय पदार्थ' कहते हैं। प्रदूषित वायु में विलीन हो जाने वाले ये पदार्थ हैं, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड। सीपीसीबी द्वारा तय मापदंडों के मुताबिक उस वायु को अधिकतम शुद्ध माना जाता है, जिसमें प्रदूषकों का स्तर मानक मान के स्तर से 50 प्रतिशत से कम हो। इस लिहाज से दिल्ली समेत भारत के जो अन्य नगर प्रदूषण की चपेट में हैं, उनके वायुमंडल में सल्फर डाईऑक्साइड का प्रदूशण कम हुआ है, जबकि नाइट्रोजन डाईऑक्साइड का स्तर कुछ बड़ा है। सीपीसीबी ने उन नगरों को अधिक प्रदूशित माना है, जिनमें वायु प्रदूशण का स्तर निर्धारित मानक से डेढ़ गुना अधिक है। यदि प्रदूषण का स्तर मानक के तय मानदंड से डेढ़ गुना के बीच हो तो उसे उच्च प्रदूषण कहा जाता है। और यदि प्रदूषण मानक स्तर के 50 प्रतिशत से कम हो तो उसे निम्न स्तर का प्रदूषण कहा जाता है। वायुमंडल को प्रदूषित करने वाले कणीय पदार्थ, कई पदार्थों के मिश्रण होते हैं। इनमें धातु, खनिज, धुएं, राख और धूल के कण मिले होते हैं। इन कणों का आकार भिन्न-भिन्न होता है। इसीलिए इन्हें वर्गीकृत करके अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी के कणीय पदार्थों को पीएम-10 कहते हैं। इन कणों का आकार 10 माइक्रोन से कम होता है। दूसरी श्रेणी में 2.5 श्रेणी के कणीय पदार्थ आते हैं। इनका आकार 2.5 माइक्रोन से कम होता है। ये कण शुष्क व द्रव्य दोनों रूपों में होते हैं। वायुमंडल में तैर रहे दोनों ही आकारों के कण मुंह और नाक के जरिए श्वांस नली में आसानी से प्रविष्ट हो जाते हैं। ये फेफड़ों तथा हृदय को प्रभावित करके कई तरह के रोगों के जनक बन जाते हैं। आजकल नाइट्रोजन डाईऑक्साइड देश के नगरों में वायु प्रदूषण का बड़ा कारक बन रही है।

औद्योगिक विकास, बढ़ता शहरीकरण और उपभोगक्तावादी संस्कृति, आधुनिक विकास के ऐसे नमूने हैं, जो हवा, पानी और मिट्टी को एक साथ प्रदूषित करते हुए समूचे जीव-जगत को संकटग्रस्त बना रहे हैं। लेकिन दिवाली पर रोशनी के साथ आतिशबाजी छोड़कर जो खुशियां मनाई जाती है, उनका व्यावहारिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अकेली दिल्ली में पटाखों का कई हजार करोड़ का कारोबार होता है, जो कि देश में होने वाले कुल पटाखों के व्यापार का 25 फीसदी हिस्सा है। इससे छोटे-बड़े हजारों थोक व खेरीज व्यापारी और पटाखा उत्पादक मजदूरों की सालभर की रोजी-रोटी चलती है। इस लिहाज से इस व्यापार पर प्रतिबंध के व्यावहारिक पक्ष पर भी गौर करने की जरूरत है ? यह अच्छी बात है कि शीर्ष न्यायालय सामान्य पटाखों पर रोक के साथ हरित पटाखे चलाने को प्रोत्साहित कर रही है। इससे स्वदेशी हरित पटाखा उद्योग विकसित होगा और भविष्य में दिल्ली को प्रदूषित महानगर होने की श्रेणी से भी मुक्ति मिल जाएगी।

आज का कार्टून

## राशिफल

**मेष**

बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है। शाम को संगीत में रुचि ले सकते हैं। व्यवसाय में बड़ी साझेदारी करने से आपको बचना चाहिये।

**वृषभ**

आप नये काम की शुरुआत कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों से आपके सम्बन्ध सुधरेंगे। पुराने अनुभवों का आपको लाभ मिलेगा।

**मिथुन**

सहकर्मी आपकी काफी मदद करेंगे। आपकी योग्यता की लोग प्रशंसा करेंगे। परिजनों के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

**कर्क**

जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। अनावश्यक यात्रा पर जाना पड़ सकता है। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचें।

**सिंह**

आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। बौद्धिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपकी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। शोध कार्य में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं।

**कन्या**

कार्यक्षेत्र में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। धन सम्बन्धी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। विरोधी आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

**तुला**

वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी। अपनी क्षमता पर अविश्वास न करें। तनाव का असर आपके काम पर भी पड़ सकता है।

**वृश्चिक**

रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। आप कुछ कड़े निर्णय ले सकते हैं। पारिवारिक वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

**धनु**

करियर को लेकर शुभ सूचना मिल सकती है। शिक्षा से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है। आपकी आय बहुत ही अच्छी रहेगी।

**मकर**

आप नये विषयों के अध्ययन के प्रति रुचि लेंगे। व्यापार में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं। लम्बी दूरी की यात्रा से आपको धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे।

**कुंभ**

जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। पैतृक सम्पदा मिलने के योग बन रहे हैं। आपको अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलेगा। पेपरवर्क के दौरान सावधानी रखें।

**मीन**

परिवार में कलह का वातावरण रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें। कानूनी मामलों में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

## किचन अलमारी की चिकनाई हटाने के लिए अपनाएं ये देसी हैक, तुरंत मिलेगा असर

क्या आपके किचन के कैबिनेट्स पर भी चिकनाई और ग्रीस जम गई है? अगर हां, तो ये आसान देसी क्लीनिंग हैक आपके सफाई के काम को मिनटों में आसान बना सकता है। किचन को साफ-सुथरा रखना सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि सेहत के लिए भी जरूरी है। ज्यादातर लोग किचन स्लैब को रोज साफ करते हैं, लेकिन कैबिनेट्स की सफाई भूल जाते हैं। खासकर मसालों और तेल के डिब्बों के लिए इस्तेमाल होने वाली अल्मारी पर चिकनाई जम जाती है, जिसे साफ करना अक्सर मुश्किल और थकाऊ लगता है।

### अपनाएं ये तरीका

सबसे पहले एक स्प्रे बॉटल लें और उसमें 50:50 के अनुपात में सिरका और गर्म पानी मिलाएं। इस घोल को किचन कैबिनेट्स पर अच्छी तरह स्प्रे करें। बेहतर परिणाम के लिए इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें, ताकि घोल जमा हुई चिकनाई को ढीला कर सके।

### कैबिनेट्स बनेंगे चमकदार

अब एक पैन में 1-2 गिलास पानी गर्म करें। फिर किसी साफ कपड़े को इसमें डुबोकर गीला कर लें और निचोड़कर कैबिनेट्स को पोछें। आपको देखकर हैरानी होगी कि जमा हुआ जिद्दी ग्रीस और दाग हटने लगेंगे, और कैबिनेट्स नया जैसा चमक उठेंगे।

### लकड़ी के कैबिनेट्स के लिए खास टिप

अगर आपके किचन के कैबिनेट्स लकड़ी के हैं, तो इस हैक को बिना किसी डर के इस्तेमाल किया जा सकता है। अंदर से साफ करने के लिए भी इसी प्रोसीजर का पालन करें और अल्मारी को पूरी तरह चमकदार और ग्रीस-फ्री बनाएं। अगर आप दीवाली या किसी खास मौके पर अपनी किचन को जल्दी और आसानी से साफ करना चाहते हैं, तो यह क्लीनिंग हैक जरूर आज़माएं। यह आपके सफाई के काम को बहुत आसान और जल्दी बना देगा।

## गुजरात का गौरव 'रानी की वाव' जहाँ हर सीढ़ी पर दिखता है भारतीय कला और इतिहास

गुजरात के पाटन नगर में स्थित रानी की वाव (सीढ़ीदार बावड़ी) भारतीय स्थापत्य और शिल्पकला का अनमोल खजाना है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त है और यह गुजरात आने वाले हर पर्यटक के आकर्षण का केंद्र है। यह बावड़ी केवल जल संग्रहण की संरचना नहीं है, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक और कलात्मक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – रानी की वाव का निर्माण 11वीं शताब्दी में सोलंकी वंश की रानी उदयमती ने अपने पति राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में करवाया था। इस कारण इसका नाम ‘रानी की वाव’ पड़ा। यह संरचना न केवल प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि उस युग की स्थापत्य दक्षता का भी अद्भुत उदाहरण है।

स्थापत्य विशेषताएँ- रानी की वाव लगभग 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है। इसमें सात मंज़िलें हैं और हर मंज़िल पर सुंदर सीढ़ियाँ तथा चौक बनाए गए हैं। बावड़ी की दीवारों पर लगभग 500 मुख्य मूर्तियाँ और 1000 से अधिक छोटी मूर्तियाँ उकेरी गई हैं।

इनमें भगवान विष्णु के विभिन्न अवतार, देवी-देवताओं, अप्सराओं, ऋषियों और दैनंदिन जीवन के दृश्य अंकित हैं।

इसकी सबसे खास विशेषता यह है कि जब कोई यात्री नीचे उतरता है, तो उसे लगता है मानो वह पृथ्वी की गोद में किसी भव्य मंदिर की ओर बढ़ रहा हो।

कलात्मक सौंदर्य – बावड़ी की नक्काशी इतनी बारीक है कि पत्थरों पर बने चेहरे, आभूषण और मुद्राएँ जीवंत प्रतीत होती हैं। इसमें दशावतार (विष्णु के दस अवतार) की मूर्तियाँ विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

# लो बजट में ऐसे अपनी किचन को स्टाइलिश, जानिए आसान डेकोर ट्रिक्स

हर घर में रसोई सिर्फ खाना बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि यह पूरे परिवार की सेहत और टेस्ट का सबसे अहम कोना होती है। अक्सर लोग ड्रॉइंग रूम और बेडरूम की सजावट पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन किचन की तरफ लापरवाह हो जाते हैं। जबकि अगर किचन साफ, व्यवस्थित और स्टाइलिश हो, तो वहां काम करने का मज़ा भी दोगुना हो जाता है। अगर आप सोचते हैं कि किचन को सजाने के लिए बहुत खर्च करना पड़ेगा, तो अब आपको टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। कुछ छोटे-छोटे बदलाव और आसान डेकोर ट्रिक्स से आप कम बजट में भी अपनी रसोई को नया और आकर्षक लुक दे सकते हैं।

### हल्के रंगों से करें दीवारों को पेंट

किचन की दीवारों का रंग उसकी खूबसूरती में सबसे बड़ा रोल निभाता है। अगर आप हल्के और फ्रेश रंगों का चुनाव करेंगे तो किचन ज्यादा खुली, साफ और बड़ी लगेगी। क्रीम, हल्का नीला, हल्का पीला या मिंट ग्रीन जैसे रंग किचन को फ्रेश और ब्राइट लुक देते हैं। ये रंग न सिर्फ आँखों को सुकून देते हैं बल्कि किचन में पॉजिटिव एनर्जी भी लाते हैं। यानी, सिर्फ पेंट बदलकर ही आप अपने किचन का पूरा माहौल बदल सकते हैं।

### सही लाइटिंग से आएगा निखार

किचन में रोशनी जितनी अच्छी होगी, खाना बनाना उतना आसान और मजेदार लगेगा। डार्क या कम रोशनी वाला किचन उदासीन और छोटा दिखाई देता है।

आप चाहें तो LED लाइट्स का इस्तेमाल करें या सिंक और गैस स्टोव के पास छोटे-छोटे फोकस लाइट लगवा सकते हैं। सही लाइटिंग न सिर्फ किचन को चमकदार बनाती है बल्कि यह सजावट का भी हिस्सा बन जाती है।

### चीजों को रखें व्यवस्थित और सही जगह पर

छोटी किचन को व्यवस्थित रखने का सबसे बड़ा मंत्र है सही स्टोरेज। खाने-पीने का सामान और मसाले अगर खुले में रखे होंगे तो किचन हमेशा बिखरी और गंदी लगेगी। इसके लिए एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें और उन्हें रैक या कैबिनेट में व्यवस्थित रखें। दीवारों पर हैंगिंग रैक या मैग्नेटिक स्ट्रिप लगाकर चाकू, चम्मच जैसी चीजें टांगी जा सकती हैं। इससे स्पेस भी बचेगा और किचन भी साफ-सुथरी दिखेगी।

### रसोई की दीवारों को बनाएं यूनिक

सिर्फ दीवारों पर रंग भरना ही काफी नहीं है, आप थोड़ी क्रिएटिविटी भी दिखा सकते हैं। वॉल स्टिकर, छोटे-छोटे फोटो फ्रेम या किचन कोट्स दीवारों पर सजाकर एक यूनिक लुक दिया जा सकता है। आप चाहें तो पुराने लेकिन खूबसूरत बर्तनों को भी शेल्फ पर डिस्प्ले कर सकते हैं। इससे आपकी किचन में पर्सनल टच आएगा और हर बार अंदर जाने पर आपको नया फील मिलेगा।

### किचन थीम का चुनाव करें

अगर आप किचन को और स्टाइलिश बनाना चाहते हैं तो उसमें एक सिंपल थीम अपनाएं। आप ट्रेडिशनल, कंटेम्परेरी या मॉडर्न किसी भी लुक को चुन सकते हैं। थीम के हिसाब से बर्तन, पर्दे, टाइल्स और सजावट का सामान चुनें। जब सब कुछ मैचिंग और बैलेंस्ड लगेगा तो पूरी किचन का लुक बदल जाएगा और वह ज्यादा आकर्षक लगेगी।

### पुराने सामान से बनाएं कुछ नया

किचन को नया लुक देने के लिए हमेशा नया सामान खरीदने की जरूरत नहीं है। अगर आपके पास पुराने जार, ट्रे या डिब्बे हैं, तो उन्हें थोड़ा पेंट या सजावट से नया बना सकते हैं। पुराने टिन बॉक्स को पेंट करके मसाले रखने के लिए इस्तेमाल करें या पुराने ट्रे को वॉल डेकोर बना दें। इस तरह बिना ज्यादा खर्च किए आप अपने किचन को स्टाइलिश और यूनिक लुक दे पाएंगे।

किचन को सजाना महंगा काम नहीं है, बस सही आइडियाज और क्रिएटिविटी की जरूरत है। हल्के रंग, अच्छी लाइटिंग, व्यवस्थित स्टोरेज, दीवारों की सजावट और पुराने सामान का स्मार्ट यूज़ करके आप अपनी किचन को कम बजट में भी स्टाइलिश बना सकते हैं। एक सुंदर और व्यवस्थित किचन न सिर्फ घर की खूबसूरती बढ़ाता है बल्कि उसमें काम करने का मन भी खुश कर देता है।

## हरी मिर्च खाने वालों जरूर पढ़ें!

# छोटे आकार की ये तीखी चीज करती है बड़े कमाल

**कई लोगों को तीखा खाना बेहद पसंद होता है, जबकि कुछ लोग तीखे से परहेज करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटी सी दिखने वाली हरी मिर्च न सिर्फ आपके खाने का स्वाद बढ़ाती है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है? हरी मिर्च विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है जो कई बीमारियों से बचाव में मदद करती है। आइए जानते हैं कि हरी मिर्च आपके शरीर के लिए किस तरह वरदान साबित हो सकती है।**

### कैंसर से बचाव करती है

हरी मिर्च में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल्स शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। ये तत्व शरीर में बनने वाले फ्री रेडिकल्स को निष्क्रिय करते हैं, जो कैंसर सेल्स की वृद्धि का कारण बन सकते हैं। नियमित रूप से सीमित मात्रा में हरी मिर्च खाने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो सकता है और शरीर को अंदर से सुरक्षा मिलती है।

### मोटापा घटाने में मददगार

हरी मिर्च में पाया जाने वाला कैप्साइसिन तत्व शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे फैट बर्निंग की प्रक्रिया तेजी से होती है। यह शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट को कम करने में मदद करता है और वजन को नियंत्रित रखता है। नियमित रूप से थोड़ी मात्रा में हरी मिर्च खाने से कैलोरी बर्निंग बढ़ती है और मोटापे की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

### मूड बेहतर बनाती है

तीखा खाने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जिसे ‘हैप्पी हार्मोन’ भी कहा जाता है। यह हार्मोन तनाव को कम करता है, मन को शांत रखता है और आपको खुशी व ऊर्जा का एहसास कराता है। यानी, हरी मिर्च सिर्फ आपके खाने का स्वाद नहीं बढ़ाती, बल्कि आपका मूड भी फ्रेश और पॉजिटिव बना देती है।

### त्वचा को बनाती है ग्लोइंग

हरी मिर्च में मौजूद विटामिन श्र त्वचा में नेचुरल ऑयल के प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे त्वचा मुलायम, हेल्दी और चमकदार बनती है। इसका नियमित सेवन त्वचा को अंदर से पोषण देता है और ड्रायनेस या रूखेपन की समस्या को दूर करता है। यानी, हरी मिर्च खाने से आपकी स्किन नैचुरल ग्लो से निखर उठती है।

### इम्यूनिटी को मजबूत करती है

हरी मिर्च में विटामिन ष्ट की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाती है। इसका नियमित सेवन करने से सर्दी-जुकाम, वायरल इंफेक्शन और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। साथ ही यह शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर आपको अंदर से फिट और एक्टिव रखती है।

### पुरुषों के लिए भी फायदेमंद

एक्सपर्ट्स का कहना है कि हरी मिर्च का नियमित सेवन पुरुषों के लिए बेहद लाभदायक होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजन-रोधी) तत्व शरीर को हानिकारक कोशिकाओं से बचाते हैं। खास तौर पर यह प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करने में मदद करता है और पुरुषों के हॉर्मोनल संतुलन व प्रजनन स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

### आयरन की कमी दूर करती है

अक्सर महिलाओं में आयरन की कमी (एनीमिया) की समस्या देखने को मिलती है। ऐसे में हरी मिर्च का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद आयरन और विटामिन सी शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाते हैं, जिससे खून की कमी दूर होती है और ऊर्जा स्तर भी बेहतर बना रहता है। हरी मिर्च भले ही तीखी हो, लेकिन यह सेहत के लिए एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करती है। बस ध्यान रखें कि इसे सीमित मात्रा में ही खाएं, क्योंकि ज़्यादा तीखा खाना पेट की जलन या एसिडिटी बढ़ा सकता है।

# 3 प्रतिशत घट गया इस बड़े बैंक का मुनाफा

● 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का मुनाफा तीन प्रतिशत घटकर 3,253 करोड़ रह गया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्राइवेट सेक्टर के कोटक महिंद्रा बैंक ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का मुनाफा तीन प्रतिशत घटकर 3,253 करोड़ रुपये रह गया। इस बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 3,344 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। अब सोमवार को बैंक के शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। बता दें कि बैंक के शेयर की कीमत 1.72 प्रतिशत घटकर 2186.85 रुपये पर आ गई।सितंबर तिमाही के दौरान कोटक बैंक की कुल आय बढ़कर 16,239 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 15,900 करोड़ रुपये थी। बैंक ने तिमाही के दौरान 13,649 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 13,216 करोड़ रुपये था।

**बैंक के ब्याज आय और मार्जिन की डिटेल:** कोटक बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 7,020 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,311 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) सालाना आधार पर 4.91 प्रतिशत से घटकर 4.54 प्रतिशत रह गया। सितंबर 2025 के अंत में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 1.39 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले 1.49 प्रतिशत थी। नेट एनपीए सालाना आधार पर 0.43 प्रतिशत से घटकर 0.32 प्रतिशत रह गया।

### क्या कहा बैंक के प्रबंध निदेशक ने

अशोक वासवानी ने कहा कि मुनाफा घटने में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए), मानक परिसंपत्ति और अन्य मदों में किये गये प्रावधानों का काफी योगदान रहा। बता दें कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक ने कुल 1,674.37 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था जो गत 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में घटकर 2,416.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

**लाइफ इंश्योरेंस का मुनाफा कितना घटा:** कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस का नेट प्रॉफिट एक साल पहले के 360 करोड़ रुपये से घटकर 49 करोड़ रुपये रह जाने के बारे पूछे गये एक सवाल के जबाव में कोटक सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जयदीप हंसराज ने बताया कि इसमें एक बड़ा कारक यह रहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में जीवन बीमा पर कर शून्य करने की घोषणा के बाद आया ठहराव था।

## रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने स्तन कैंसर जागरूकता माह के दौरान तैयारी की भूमिका पर प्रकाश डाला

**मुंबई, एजेंसी।** भारत में स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने जागरूकता से तैयारी की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है और इस बात पर ज़ोर दिया है कि सक्रिय स्वास्थ्य और वित्तीय योजना दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन ने रोकथाम को वित्तीय सुरक्षा के साथ जोड़ने के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, स्तन कैंसर जागरूकता माह एक सशक्त अनुस्मारक है कि स्वास्थ्य संबंधी तैयारियाँ हमारे जीवन जीने, योजना बनाने और अपनी सुरक्षा का एक अभिन्न अंग बननी चाहिए। समय पर पहचान और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप न केवल कैंसर के लिए, बल्कि सभी बड़ी बीमारियों के लिए परिणाम बदल सकते हैं। फिर भी, केवल जागरूकता ही पर्याप्त नहीं है। सच्ची तत्परता निवारक कार्रवाई को वित्तीय सुरक्षा के साथ जोड़ने से आती है। भारत में, स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत ने चिकित्सा संबंधी आकस्मिकताओं को वित्तीय स्थिरता में सबसे बड़ी बाधा बना दिया है। इसलिए, बीमा केवल बीमारी के बाद का समाधान नहीं है, बल्कि यह सशक्तिकरण का एक सक्रिय साधन है। स्वास्थ्य सेवा को सुलभ, किफ़ायती और टिकाऊ बनाकर, यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय चिंताएँ समय पर देखभाल प्राप्त करने में कभी बाधा न बनें। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस में, हम स्वास्थ्य बीमा को रोकथाम और सुरक्षा में एक भागीदार के रूप में देखते हैं। हमारा मिशन व्यक्तियों को सूचित स्वास्थ्य निर्णय लेने में मदद करना और यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सा देखभाल सबसे ज़रूरी समय पर सुलभ हो। एक स्वस्थ भारत का निर्माण जागरूकता से शुरू होता है, लेकिन यह तैयारी के माध्यम से ही संभव है—और बीमा वह सेतु है जो दोनों को जोड़ता है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और सुरक्षा के एक अनिवार्य स्तर के रूप में बीमा के महत्व को बढ़ावा देने वाली पहलों को आगे बढ़ाता रहता है। कंपनी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को सक्षम बनाने और ग्राहकों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय दोनों की ज़िम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

### क्या है स्टॉक विभाजन की डिटेल

# बोनस शेयर और स्प्लिट को मंजूरी, अब सोमवार को शेयर में होगी हलचल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बाजार में ट्रेडिंग करने वाले निवेशकों की नजर सोमवार को भारत रसायन के शेयर पर रहेगी। दरअसल,कीटनाशक और कृषि रसायन से जुड़ी इस कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि बोर्ड ने 1:1 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट यानी शेयर विभाजन और बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि बीते शुक्रवार को यह शेयर ग्रीन जोन में बंद हुआ।



**शेयर का परफॉर्मेंस:** भारत रसायन के शेयर की बात करें तो यह शुक्रवार को 1.15 प्रतिशत बढ़कर 11773.40 रुपये पर बंद हुआ। यह तेजी ऐसे समय में आई जब बाजार बिकवाली मोड में था। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 12,550 रुपये है। वहीं, 52 हफ्ते का लो 8,807.45 रुपये है। बीते पांच दिनों में शेयर 8 प्रतिशत से अधिक और एक महीने में 16.43 प्रतिशत बढ़ चुका है। बाजार में आने के बाद से इस शेयर ने 47,273.74 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है।

प्रस्तावित स्टॉक विभाजन के तहत कंपनी के 10 प्रति शेयर मूल्य वाले 41.55 लाख इक्विटी शेयरों को 5 प्रति शेयर मूल्य वाले 83.10 लाख पूर्ण चुकता शेयरों में विभाजित किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य शेयरों की लिक्विडिटी में सुधार, निवेशक आधार का विस्तार और छोटे निवेशकों के लिए शेयर को अधिक सुलभ बनाना है। विभाजन के बाद अधिकृत शेयर पूंजी 20 करोड़ रहेगी, जिसमें अब 5 प्रति शेयर मूल्य के 4 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल होंगे। कंपनी को उम्मीद है कि शेयर विभाजन की प्रक्रिया शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के दो महीने के भीतर पूरी हो जाएगी, जो नियामक मंजूरी के अधीन है।

### बोनस इश्यू की सिफारिश

कंपनी के बोर्ड ने 1:1 बोनस इश्यू की सिफारिश की है, जिसका अर्थ है कि शेयरधारकों को 5 प्रति शेयर मूल्य के प्रत्येक मौजूदा शेयर के बदले 5 प्रति शेयर मूल्य का एक पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर मिलेगा। इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक बोनस इश्यू समिति का गठन किया गया है। बोनस इश्यू के बाद, 83.10 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे कंपनी की चुकता शेयर पूंजी बढ़कर 8.31 करोड़ हो जाएगी। यह 5 प्रति शेयर के 1.66 करोड़ इक्विटी शेयरों में विभाजित होगी। बोनस शेयर 23 दिसंबर, 2025 तक जमा या प्रेषित होने की उम्मीद है।

## पेनी शेयर पर सोमवार को निवेशकों की रहेगी नजर

अगले सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को कुछ पेनी शेयरों पर निवेशकों की नजर होगी। इनमें से एक शेयर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज का है। इस कंपनी के शेयर की कीमत 30 रुपये से भी कम है और अब इससे जुड़ी एक नई खबर आई है। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज ने घोषणा की है कि उसने नर्चर वेल फूड्स लिमिटेड द्वारा ली गई डेब्ट फैसलिटीज के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को कॉर्पोरेट गारंटी प्रोवाइड की है। 24 अक्टूबर को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार कंपनी ने कहा कि उसने नर्चर वेल फूड्स लिमिटेड द्वारा प्राप्त डेब्ट फैसलिटीज के लिए सुरक्षा के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को कॉर्पोरेट गारंटी जारी की है। डेब्ट फैसलिटीज के लिए सिक्योरिटी मनी 25 करोड़ थी। कंपनी ने आगे कहा कि यदि एनडब्ल्यूएफएल लेंडर को अपने पुनर्भुगतान दायित्वों को पूरा करने में असमर्थ रहती है तो कंपनी पर कोई तत्काल प्रभाव नहीं पड़ेगा, सिवाय उस राशि के जिसके लिए कॉर्पोरेट गारंटी प्रोवाइड की गई है। कॉर्पोरेट गारंटी कंपनी के लिए एक आकस्मिक देयता है।

### शेयरहोल्डिंग पैटर्न

शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज में प्रमोटर की हिस्सेदारी 53.81 फीसदी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग की बात करें तो हिस्सेदारी 46.19 फीसदी की है। कंपनी के प्रमोटर्स में सौरभ गोयल, सानिध्य गर्ग, मनन गर्ग शामिल हैं। इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक बोनस इश्यू समिति का गठन किया गया है।

## हमारी तीसरी इकाई वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में चालू हो जाएगी: रितेश खीचडिया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के व्होल-टाइम डायरेक्टर रितेश खीचडिया ने कहा कि कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड (सीपीएल) कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड (सीपीएल) भारत के माइक्रो इरिगेशन और सोलर ईपीसी क्षेत्रों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरी है। दो दशकों से अधिक की उपस्थिति, व्यापक वितरण नेटवर्क और गहरी उद्योग विशेषज्ञता के साथ, अब कंपनी नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में अग्रसर है। हम गिने-चुने पैन-इंडिया खिलाड़ियों में से एक हैं, जिनकी 16 राज्यों में मजबूत उपस्थिति है। हम विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत एक अधिकृत आपूर्तिकर्ता के रूप में पैनल में शामिल हैं और हमारे पास 750 से अधिक डीलरों का एक मजबूत नेटवर्क है, जिसे 250 से अधिक सेल्स और तकनीकी कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त है। हमें दूसरों से जो अलग करता है, वह केवल हमारे उत्पादों की गुणवत्ता नहीं है, बल्कि समय पर डिलीवरी और किसानों को दी जाने वाली ऑन-ग्राउंड तकनीकी सहायता भी है। यह एंड-टू-एंड सेवा देने का हमारा दृष्टिकोण ही हमारी सबसे बड़ी विशेषता है। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के व्होल-टाइम डायरेक्टर रितेश खीचडिया ने कहा किहम दो विनिर्माण इकाइयों से संचालन करते हैं — एक राजकोट, गुजरात में और दूसरी कुरनूल, आंध्र प्रदेश में — जो पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। इसके अतिरिक्त, हम अहमदाबाद में एक तीसरी इकाई स्थापित कर रहे हैं, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में चालू हो जाएगी। इस नई इकाई के शुरू होने के बाद हम एक्सेसरीज़ और कंपोनेंट्स का उत्पादन बढ़ा सकेंगे, आउटसोर्सिंग को घटा सकेंगे और मार्जिन में सुधार कर पाएंगे। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के व्होल-टाइम डायरेक्टर रितेश खीचडिया ने कहा किमाइक्रो इरिगेशन क्षेत्र काफी विखंडित है, जहां प्रत्येक राज्य में लगभग 40-50 विक्रेता सक्रिय हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में हमारी बाजार हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से 10प्रतिशत के बीच है। ये उच्च संभावनाओं वाले बाजार हैं, जहां राज्य और केंद्र सरकार दोनों का मजबूत समर्थन प्राप्त है, और इन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति और बढ़ाने के लिए हम अच्छी स्थिति में हैं। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के व्होल-टाइम डायरेक्टर रितेश खीचडिया ने कहा कि हमने वित्त वर्ष 2020-21 में सोलर ईपीसी क्षेत्र में प्रवेश किया, जिसमें रिहायशी और औद्योगिक सेक्टर में छोटे पैमाने पर रूफटॉप सोलर इंस्टालेशन को लक्ष्य बनाया गया था। खासकर गुजरात में इस क्षेत्र में अच्छी गति बनी है, और अब हम सात राज्यों में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अधिकृत आपूर्तिकर्ता के रूप में पैनल में शामिल हैं।

# रेखा झुनझुनवाला ने खरीद डाले टाटा की कंपनी के 15 लाख शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टाटा समूह की कंपनी टाइटन के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, शेयर बाजार की दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला ने टाटा ग्रुप की टाइटन कंपनी लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी और बढ़ा दी है। बीएसई में दाखिल ताजा तिमाही शेयरहोल्डिंग रिपोर्ट के अनुसार, झुनझुनवाला ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी के 15 लाख अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं, जो कंपनी की कुल हिस्सेदारी में लगभग 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है।

इस खरीदारी के बाद रेखा झुनझुनवाला की टाइटन में कुल हिस्सेदारी अब 5.3 प्रतिशत हो गई है। ट्रेंडलाइन के आंकड़ों के मुताबिक, उनके पास अब कुल 4.7 करोड़ शेयर हैं। बता दें कि बीते शुक्रवार को टाइटन के शेयर 1.5 तक टूटकर 3,718 रुपये पर आ गए थे।



रेखा झुनझुनवाला, दिवंगत दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी हैं, जिन्होंने टाइटन कंपनी में शुरुआती निवेश 2002-2003 के दौरान किया था। उस समय टाइटन के शेयर की कीमतें बेहद निचले स्तर पर थीं, लेकिन वर्षों में इस निवेश ने झुनझुनवाला परिवार को बाजार के सबसे सफल निवेशकों की श्रेणी में ला खड़ा किया।

टाइटन कंपनी टाटा समूह की प्रमुख उपभोक्ता वस्तु कंपनी है, जो ज्वेलरी (तनिष्क), वॉचेज (टाइटन, फास्ट्रैक), आईवियर (टाइटन आई+) और परफ्यूम जैसे सेगमेंट में काम करती है। कंपनी ने हाल के वर्षों में मजबूत रिटेल विस्तार, डिजिटलीकरण और उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के चलते लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। मार्केट एनालिस्ट का मानना है कि रेखा झुनझुनवाला का यह कदम निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह कंपनी के भविष्य के प्रति भरोसा दिखाता है। आने वाली तीसरी तिमाही में कंपनी के फेस्टिव सीज़न सेल्स और गोल्ड डिमांड पर बाजार की नजर रहेगी।

## 52 वीक हाई से 15 प्रतिशत डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा हुडको शेयर, अब 5000 करोड़ की हुई डील

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने 5000 करोड़ रुपये की बंदरगाह अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोग के लिए जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हुडको ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जेएनपीए के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन पर हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय कुलश्रेष्ठ और जेएनपीए के चेयरमैन शरद वाघ ने हस्ताक्षर किए।

बीते शुक्रवार को हुडको के शेयर बीएसई पर 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 226.85 रुपये पर बंद हुए जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 228.70 रुपये पर बंद हुआ था। शेयर वर्तमान में अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 263.95 रुपये से लगभग 15 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा है। मार्च 2025 में शेयर 158.90 रुपये के स्तर तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।हुडको ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 630.23 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 557.75 करोड़ रुपये से 13 प्रतिशत अधिक है। लोन बुक भी 1,34,410 करोड़ रुपये के नए शिखर पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 557.75 करोड़ रुपये से 29 प्रतिशत अधिक है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 25 पर्सेंट की हिस्सेदारी है। हुडको, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक उद्यम है। यह सतत विकास पर केंद्रित आवास और शहरी इंफ्रा के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका कार्यक्षेत्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और निम्न आय वर्ग के लिए परियोजनाओं को समर्थन प्रदान करना, साथ ही ऋण, परामर्श और तकनीकी सलाहकार सेवाएं देना है।

## 31 अक्टूबर को खुल रहा है लेंसकार्ट का आईपीओ, 2025 का चौथा सबसे बड़ा इश्यू



**नई दिल्ली, एजेंसी।** काफी लम्बे समय से लेंसकार्ट के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर को खुल रहा है। निवेशकों के पास 4 नवंबर तक कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। वहीं, एंकर निवेशक 30 अक्टूबर को कंपनी के आईपीओ पर दांव लगा पाएंगे। चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट आईपीओ के जरिए 2150 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, कंपनी के मौजूदा शेयरहोल्डर्स 12.50 करोड़ शेयर जारी करेंगे। कंपनी फ्रेश इश्यू से जुटाए पैसों का स्टोर्स की संख्या बढ़ाने, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और ब्रांड बिल्डिंग के साथ-साथ मार्केटिंग के लिए करेगी। राधाकिशन दमानी ने भी किया है निवेश आईपीओ से पहले दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने कंपनी में पैसा लगाया है। डिमार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी 90 करोड़ रुपये का निवेश किया है। दमानी के अलावा इस कंपनी में सॉफ्टबैंक, टेमासेक, केदारा कैपिटल और अल्फा वेव वेंचर्स ने पहले से निवेश किया है। बता दें, साइज के हिसाब से लेंसकार्ट 2025 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। उससे आगे एलजी, टाटा कैपिटल, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज है।अर्बन कंपनी, जोमैटो, स्विगी जैसी कंपनियों की लिस्टिंग के बाद लेंसकार्ट का आईपीओ आना भारत के कंज्यूमर टेक सेक्टर के लिए बड़ी बात है। इस कंपनी की शुरुआत पीयूष बंसल ने 2008 में की थी। पहले कंपनी अपना चश्मा और लेंस ऑनलाइन बेचा करती थी। उसके बाद इसने ओमनिचैनल बनाया। मौजूदा समय में लेंसकार्ट के पास 2500 से ज्यादा स्टोर हैं। वित्त वर्ष 2025 में लेंसकार्ट का नेट प्रॉफिट 297 करोड़ रुपये रहा था।

# 8000 सस्ता हुआ सोना, चांदी में 28000 की गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते कुछ दिनों में सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई है। शादियों के सीजन से पहले सोने की कीमतों में गिरावट के बाद निवेशकों ने राहत की सांस ली है। सोना जहां 8000 रुपये प्रति 10 ग्राम तो वहीं चांदी 28000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो चुका है। ढ्ढड्ढद्बड्डह्लह्लद्गह्य के डाटा के अनुसार 24 कैरेट गोल्ड का रेट 17 अक्टूबर की सुबह 1,30,874 रुपये प्रति 10 ग्राम था। जोकि शुक्रवार यानी 24 अक्टूबर को घटकर 122419 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया। महज 8 दिन में सोने की कीमतों में 8455 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है।

14 अक्टूबर को चांदी बुलियन मार्केट में 178100 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 24 अक्टूबर को इसका रेट घटकर 147033 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर भाव आ गया। यानी 11 दिन में चांदी का भाव 28000 रुपये तक सस्ता हो गया है। अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद सोने का भाव गिरा है। इसकी वजह अमेरिकी डॉलर में तेजी है। वहीं, कुछ निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। इन सबके अलावा दिवाली की सीजन खत्म होने के बाद फिजिकल गोल्ड की डिमांड में गिरावट आई है।



इन सबके अतिरिक्त बाजार इस समय अमेरिकी महंगाई के आकड़ों का भी इंतजार कर रहा है। जिसके बाद भी फेड रिजर्व के अगले फैसले का अनुमान लगाया जा सकता है। इन्हीं फैक्टर्स की वजह से सोने की कीमतों में गिरावट आई है।

कई बड़े बैंक और बाजार से जुड़े एक्सपर्ट्स सोने की कीमतों को लेकर आशावादी है। उनका मानना है कि लम्बे समय में इसकी कीमतों में तेजी आएगी ही। मॉर्गन स्टेनले को उम्मीद है कि सेंट्रल बैंक की डिमांड की वजह से गोल्ड का भाव 4400 डॉलर प्रति आउंस तक जा सकता है। जेपी मॉर्गन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2026 के अंततक गोल्ड 1,70,000 रुपये (5055 डॉलर प्रति आउंस) को क्रॉस कर

# टाटा एआईए का नया प्लान - शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट

**मुंबई, एजेंसी।** भारत की एक प्रमुख जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड ने प्रस्तुत किया है नया टाटा एआईए शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट। यह टर्म प्लान पारंपरिक टर्म प्लान की तुलना में अनूठा और क्रांतिकारी है, जो आपको तत्काल एकमुश्त पेआउट और 30 सालों तक लचीली मासिक आय दोनों देता है। परिवारों को व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह इस तरह का पहला प्लान है और उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अस्थिरता में मन की शांति को खोना नहीं चाहते। ऐसे में अगर वित्तीय बोझ भी उठाना पड़ें तो पूरा जीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति जब स्पष्टता और स्थिरता सबसे ज़्यादा ज़रूरी होती है, तब अक्सर परिवारों पर एकमुश्त भुगतान का बहुत बड़ा दबाव आ पड़ता है और कुछ भी मैनेज कर पाना काफी ज़्यादा कठिन होता है। टाटा एआईए का शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट इस चुनौती को समझता है और एक ऐसा समाधान प्रदान करता है, जिसे बहुत ही सोच-समझकर बनाया गया है। परिवारों को एक ही, बहुत बड़े भुगतान के संकट का सामना करने के लिए छोड़ने के बजाय इस प्लान में एकमुश्त पेआउट और स्थिर मासिक आय की सुरक्षा दोनों के लाभों को एक साथ लाया गया है। पीछे छूटे हुए परिवार के लिए यह प्लान जीवनरेखा बन जाता है।

TATA AIA LIFE INSURANCE

नए प्लान के बारे में, कार्यकारी उपाध्यक्ष बैंकाश्योरेंस, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस, कमल भारद्वाज ने कहा, टाटा एआईए में हम मानते हैं कि सिर्फ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना काफी नहीं है, बल्कि परिवारों का ज़िन्दगी के हर पड़ाव पर समर्थन करना ज़रूरी है। शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट में हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि परिवारों को वह वित्तीय सुरक्षा मिलें जिसकी उन्हें ज़रूरत होती है, साथ ही लचीलापन भी जिसके वे हक़दार हैं। 0त्र जीएसटी ने इसे और भी आसान कर दिया है। जो लोग अपने परिवारों के भविष्य को किसी भी अतिरिक्त खर्च के बोझ को उठाए बिना सुरक्षित करना चाहते हैं उनके लिए यह यक़ीनन एक शक्तिशाली साधन है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि परिवारों की तत्काल वित्तीय ज़रूरतों को कवर किया जाएगा, साथ ही उन्हें उनकी बचत ख़त्म होने की चिंता भी नहीं करनी पड़ेगी। अंतिम संस्कार के खर्च, लोन चुकाना या कोई भी दूसरे अत्यावश्यक खर्च आदि वित्तीय बोझ को तत्काल हटाने के लिए एकमुश्त पेआउट दिया हुआ है।

केनेडियन ओपनः

## कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत, स्विट्जरलैंड की मेरलो को हराया

**टोरंटो, एजेंसी।** मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज़ दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने शनिवार को पहले दौर में स्विट्जरलैंड की सिंडी मेरलो को 17 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया। अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा अल्वेस से होगा।

# सचिन तेंदुलकर के लाल का रणजी ट्रॉफी में कमाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महान सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। हाल ही में वह अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में थे। जब उनकी सगाई सानिया चंडोक से हुई थी। लेकिन, अब अर्जुन तेंदुलकर रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। बात दें कि अर्जुन घरेलू क्रिकेट गोवा के लिए खेलते हैं। 25 अक्टूबर से गोवा और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच खेला जा रहा है। दोनों टीमें एलीट ग्रुप बी में हैं। इस मैच में सचिन तेंदुलकर के बेटे ने पहली पारी में कमाल कर दिया।

### करुण नायर ने ठोका शतक

इंग्लैंड दौरे के बाद अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को भारत की टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। उनको वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। हालांकि, अब रणजी ट्रॉफी खेलते हुए करुण नायर ने शानदार प्रदर्शन किया और गोवा के खिलाफ दमदार शतक ठोक डाला। अगर नायर इसी तरह से प्रदर्शन करते रहे तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं।

### रणजी ट्रॉफी में चमके अर्जुन तेंदुलकर

गोवा के कप्तान स्नेहल कौथानकर ने टॉस जीतकर कर्नाटक के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, यह फैसला उनका ज्यादा सही साबित नहीं हुआ। कर्नाटक ने पहली पारी में तकरीबन साढ़े 300 रन बना दिए हैं। लेकिन, अर्जुन तेंदुलकर ने अपनी गेंदबाजी से जरूर सभी को इम्प्रेस किया। अर्जुन तेंदुलकर पहली पारी में 3 विकेट निकाल चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक के ओपनर निकिन जोस, कृष्ण श्रीजित और अभिनव मनोहर को आउट किया है। बता दें कि अर्जुन पहले मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। लेकिन, 2022 में ज्यादा मौके न मिलने की वजह से उन्होंने गोवा को जॉइन कर लिया। 26 साल के अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए आईपीएल में डेब्यू किया था। उसके बाद हालांकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। अर्जुन ने 5 आईपीएल मैचों में 3 विकेट लिए हैं।

पैन पैसिफिकः

## बेलिंडा बेनसिच बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन, नोस्कोवा को हराया

**टोक्यो, एजेंसी।** बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था।

स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट की चैंपियन बनने में सफल रहीं। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने रविवार को खेले गए फाइनल में चेक गणराज्य की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। बेनसिच ने नोस्कोवा की सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की। टोक्यो से स्विस खिलाड़ी की सुखद यादें जुड़ी हैं। उन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक महिला एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, आप लोगों के सामने खेलना शानदार रहा। पिछली बार मैंने यहां जब टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब स्टेडियम खाली था, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन आप लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे जापान में खेलना बहुत पसंद है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।

# ...रोहित-विराट खेलेंगे घरेलू क्रिकेट!

कप्तान शुभमन गिल के बयान से लग रहीं अटकलें, बीसीसीआई जल्द लेगा फैसला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विराट कोहली और रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे मुकाबले में बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन किया. 25 अक्टूबर (शनिवार) को हुए इस मैच में रोहित ने नाबाद 121 रन बनाए, वहीं कोहली 74 रनों पर नॉटआउट लौटे. दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी हुई, जिसने टीम इंडिया को 9 विकेट से जीत दिलाने में मदद की. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे.

रोहित भी पहले मैच में सिर्फ 8 रन बना सके थे, जबकि एडिलेड वनडे में वो शुरुआती ओवर्स में संघर्ष करते दिखे. हालांकि हिटमैन ने फिर लय पकड़ ली और 73 रनों की पारी खेली. अब रोहित-विराट ने सीरीज का अंत शानदार तरीके से किया है. फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अब दोनों अपने करियर के आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं. विराट कोहली और रोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था, शायद यही कारण था कि दोनों शुरुआती मैचों में संघर्ष करते दिखे. कोई भी खिलाड़ी कितना भी नेट्स में पसीना बहाए, लेकिन मैच प्रैक्टिस काफी अनिवार्य है. कोहली-रोहित को लेकर भी ऐसा ही दिखा. यदि दोनों इंडिया-ए के लिए घरेलू मैच खेलकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाते, तो शायद पहले ही मैच से लय में होते. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड जल्द ही ये तय करेगा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को मैच फिट रहने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है या नहीं. भारतीय कप्तान शुभमन गिल

ने संकेत दिए हैं कि इस मुद्दे पर जल्द ही चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट आपस में चर्चा करेंगे. गिल ने सिडनी में तीसरे वनडे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभी तक इस पर कोई बात नहीं हुई है. लेकिन साउथ अफ्रीका सीरीज (6 दिसंबर) की समाप्ति के बाद और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज (11 जनवरी) से पहले काफी लंबा गैप रहेगा. तब हम देखेंगे कि खिलाड़ियों को कैसे टच में रखा जाए.

उसी समय शायद कोई निर्णय लिया जाएगा. 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 (घरेलू वनडे टूर्नामेंट) शुरू होगी, जो 18 जनवरी तक चलेगी. इस टूर्नामेंट के ग्रुप मैच 8 जनवरी तक होंगे. इसका मतलब यह है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली न्यूजीलैंड सीरीज से पहले करीब 7 घरेलू वनडे मैच खेल सकते हैं. अब देखना होगा कि दोनों घरेलू क्रिकेट को लेकर क्या नजरिया दिखाते हैं.

बीसीसीआई भी जल्द ही इस पर कुछ निर्णय लेगा. एक बात तो स्पष्ट है कि यदि दोनों विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेते हैं, तो उनकी लय बनी रहेगी. साथ ही दोनों चयनकर्ताओं को भी संदेश दे सकते हैं कि वो वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

### घरेलू क्रिकेट खेलने से बनी रहेगी लय

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने फॉर्म में वापसी कर ली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से 1 महीने के लिए दूर हो रहे हैं. बता दें कि भारतीय टीम का वनडे क्रिकेट में अगला असाइनमेंट साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज है, जो 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक होनी है. इसके बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से वनडे सीरीज खेलेगी. यानी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच काफी लंबा अंतराल है. ऐसे में कोहली-रोहित यदि घरेलू क्रिकेट खेलेंगे, तो उनकी लय बनी रहेगी.

कोच ने संन्यास को लेकर कर दिया खुलासा

# इस दिन वनडे क्रिकेट को अलविदा कहेंगे रोहित शर्मा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की 2-1 से हार हुई. लेकिन इस सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला खूब चला. भारत के स्टार बल्लेबाज ने तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाए. इसके लिए रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया. रोहित शर्मा टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले हिटमैन के वनडे से भी रिटायरमेंट लेने की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई थीं. लेकि रोहित की परफॉर्मेंस ने उनके आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है.

**वनडे से कब रिटायर होंगे रोहित शर्मा?**

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए हिटमैन के संन्यास पर बड़ा खुलासा किया. दिनेश लाड ने सिडनी वनडे में रोहित शर्मा की पारी को देखते हुए कहा कि रोहित ने जिस तरह बल्लेबाजी की और टीम इंडिया को जीत दिलाई, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने आगे कहा कि रोहित ने ये तय कर लिया है कि वो 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद ही संन्यास लेगा. रोहित शर्मा के बचपन के कोच ने विराट कोहली की भी तारीफ करते हुए कहा कि कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी कंडीशन में सफल हो सकते हैं. उनके खेल को देखकर भी बहुत अच्छा लगा. दिनेश लाड ने बताया कि सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि भविष्य में रोहित और विराट ही उनके रिकॉर्ड्स तोड़ेंगे और आज ये बात सच साबित हो रही है.

**रोहित-विराट ने दिलाई जीत**

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआत दो वनडे मैच हार गई थी. वहीं तीसरे वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मैच विनिंग पारी खेली. रोहित ने 125 गेंदों में नाबाद 121 रन बनाए. वहीं विराट कोहली ने 81 गेंदों में 74 रनों की नाबाद पारी खेली और विनिंग चौका लगाकर टीम को तीसरा वनडे जिताया.

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर ने किया बड़ा बदलाव

## पूर्व भारतीय क्रिकेटर को बनाया मुख्य कोच

आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अभिषेक नायर को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया है। नायर, जो पहले टीम में सहायक कोच और अकादमी हेड के रूप में काम कर चुके हैं, अब पूरी टीम की कोचिंग जिम्मेदारी संभालेंगे। यह बदलाव केकेआर के कोचिंग ढांचे में नए युग की शुरुआत माने जा रहा है। नायर का केकेआर के साथ पुराना नाता रहा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और टीम की रणनीति में सुधार लाने में अहम योगदान दिया है। दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और अन्य युवा भारतीय प्रतिभाओं के करियर में उनकी मार्गदर्शन की छाप साफ दिखाई देती है।

पूर्व मुंबई ऑलराउंडर अभिषेक नायर ने भारतीय घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और 2009 में तीन ओडीआई खेले। रिटायरमेंट के बाद नायर ने कोचिंग में कदम रखा और कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को संभाला।

# इंडस्ट्री से समर्थन न मिलने से निराश हैं विष्णु विशाल

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के एक अभिनेता और फिल्म निर्माता ने इंडस्ट्री में लोगों के समर्थन की कमी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया है कि उन्हें उनकी चार फिल्मों के लिए निर्माता नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया। अपनी अपकमिंग फिल्म आर्यन के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने बताया कि तमिल सिनेमा में अपने सहयोगियों से उनको क्यों शिकायत है?

### चार फिल्मों के लिए नहीं मिले निर्माता

हम जिस अभिनेता की बात कर रहे हैं वह विष्णु विशाल हैं। उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में पहचान न मिलने की बात कर रहा था। मैं इससे खुश नहीं हूं। मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिलाने के लिए एक-दो साल से काम कर रहा हूं। विष्णु विशाल ने वेलैनु वंधुत्ता वेल्लाईकरण, गट्टा कुश्ती और एफआईआर- फैजल इब्राहिम रईस जैसी फिल्मों के नाम लिए और बताया कि इन प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा मेरी फिल्म गट्टा कुश्ती के लिए छह निर्माताओं ने आखिरी समय में मना कर दिया था। वेलैनु वंधुत्ता वेल्लाईकरन के लिए मैं चार निर्माताओं के पास गया और एफआईआर- फैजल इब्राहिम रईस के लिए तीन निर्माता पीछे हट गए।

### खुद का प्रोडक्शन हाउस बनाया

विष्णु विशाल ने कहा कि यही वजह है कि उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए निर्माता बनने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं बस यह कहना चाह रहा था कि एक व्यक्ति के तौर पर मेरे अंदर वह दर्द और उदासी है। इसीलिए मैंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। एक बार जब मैंने प्रोडक्शन का काम संभाल लिया, तो मुझे इस फिल्म को रिलीज करने और फिर से पर्दे पर लाने में बस एक साल लगा।

### मुझे फोन नहीं करते कलाकार

उन्होंने आगे कहा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मुझे किसी एक व्यक्ति से कोई शिकायत नहीं है। जब मेरी फिल्म रिलीज होती है और सफल होती है, तो मैंने देखा है कि जिन अभिनेताओं की मैं तारीफ करता हूं, उनमें से किसी ने भी मुझे व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए एक बार भी फोन नहीं किया।

# कानूनी मुसीबत में घिरीं बिग बॉस फेम तान्या मित्तल

पोटाश गन चलाने के आरोप में शिकायत दर्ज, जांच के आदेश जारी

**सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपने बयानों और लाइफ स्टाइल को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है और इस बार वजह उनकी कोई टिप्पणी नहीं है।**

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में अपनी टिप्पणियों को लेकर चर्चा बटोरने वाली तान्या मित्तल के खिलाफ ग्वालियर में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, तान्या पर पोटोश गन चलाने का आरोप है, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। तान्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। साथ ही एफआईआर की मांग की गई है। फिलहाल एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं।

**शिकायतकर्ता ने क्या कहा?**

इन दिनों बिग बॉस 19 में बतौर प्रतिभागी नजर आ रहीं तान्या मित्तल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे पिंक साड़ी में दिख रही हैं। अभिनेत्री कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो के वायरल होने के बाद हंगामा हो गया और उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्वालियर निवासी शिशुपाल सिंह कंषाना ने एएसपी अनु बेनीवाल से शिकायत की है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों और कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा धारा 163 बीएनएस के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

**क्या है वीडियो की सच्चाई?**

तान्या के खिलाफ शिकायतकर्ता का कहना है कि वीडियो में तान्या मित्तल कार्बाइड गन चलाते हुए नजर आ रही हैं। यह वही गन है, जिसके इस्तेमाल पर ग्वालियर कलेक्टर बैन लगाया है।

वहीं, इस वीडियो को लेकर कहा गया है कि यह बीते वर्ष यानी साल 2024 का है। फिलहाल कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर मामले की जांच चल रही है।

### क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश में कार्बाइड गन चलाने से अब तक 300 से अधिक लोगों की आंखों की रोशनी पर खतरा मंडला रहा है। सरकार की ओर से इस गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी बीच तान्या का कथित तौर पर कार्बाइड गन चलाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इसी के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। कहा जा रहा है कि अगर जांच में पाया गया कि यह वीडियो बीते साल का है तो संभव है कि उनके खिलाफ एफआईआर न हो, क्योंकि पोटाश गन पर प्रतिबंध हाल ही में लगाया गया है।

# स्टेशन पर गूंजने लगे छठ के गीत

- मंगीला हम वरदान हे गंगा मइया
- छठी माई के करब हम वरतिया
- काँच ही बाँस के बहंगिया

**भोपाल ।** केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव पहिले पहिल हम कईनी छठ के बरतिया पटना के घाट पर हमहूँ अरगिया देहब हे छठी मैया कौने खेत जन्मल धान सुधान हो जैसे प्रसिद्ध छठ पूजा के गीत 30 से अधिक रेलवे स्टेशनों की उद्घोषणा प्रणालियों से गूंज रहे हैं, जो न केवल यात्रियों के मन को छूने वाला अनुभव बन रहा है, बल्कि उन्हें बिहार की सोंधी संस्कृति से भी जोड़ रहा है। इस वर्ष भारतीय रेल ने छठ के इस अवसर को और भी खास बना दिया है। विशेषकर महिला यात्रियों को इन गीतों को गुनगुनाते हुए भी देखा जा सकता है। भारतीय रेल ने इस प्रकार का प्रयोग पहली बार किया है। हर साल छठ पूजा के दौरान लाखों की संख्या में बिहार और उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग अपने घरों की ओर लौटते हैं। अपने परिवार संग छठ पूजा मनाने जाने वाले लोगों के लिए इस वर्ष भारतीय रेल ने 12000 से अधिक विशेष ट्रेनो तथा हजारों नियमित ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को उनके घर शहर पहुंचने का जिम्मा लिया है और सफलतापूर्वक अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करते हुए यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया है। लेकिन स्टेशनों पर स्टेशन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ के गीतों के साथ यात्रियों का स्वागत शायद पहली बार हो रहा है। यह कोशिश अपने आप में विशिष्ट है और दूर दराज से आने वाले यात्रियों को बिहार की सोंधी संस्कृति से जोड़ रही है।

कोलकाता नई दिल्ली, दिल्ली आनंद विहार आसनसोल गोरखपुर रांची, पटना दानापुर राजेंद्र नगर पाटलिपुत्र आरा बक्सर हाजीपुर सोनपुर मुजफ्फरपुर समस्तीपुर सहरसा जमालपुर मुंगेर कटिहार नरकटियागंज मोतिहारी 30 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर छठ के गीत बजाए जा रहे हैं।

रेलवे इस प्रयोग से छठ पूजा के लिए जा रहे यात्री विशेष कर महिला यात्री खुशी व्यक्त कर रही हैं।

लोक आस्था का महान पर्व छठ लोकगीतों के बिना अधूरा है। छठ घाटों की ओर जाने वाली महिलाएं समूह में छठ के गीत गाते चलती हैं और छठी मैया से अपने, परिवार, समाज और देश के लिए आशीष मांगती हैं। दूर दराज से ट्रेन पड़कर आ रहे यात्रियों की ट्रेन जब उनके रेलवे स्टेशन पर पहुंची, तो यात्रियों को छठ के गीत सुनाई पड़ने लगे।

# त्योहारों के दौरान अब तक संचालित ट्रेनों में 1.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने यात्रा की

## यात्रियों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए और त्योहारों के दौरान आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे के प्रयासों की सराहना की

**भोपाल ।** भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान अब तक 1.5 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को ट्रेनों के ज़रिए पहुँचाया है। त्योहारों के मौसम के अंत तक यह संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों के 30 प्रमुख स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

हाल के वर्षों में, रेलवे के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष ट्रेनों की संख्या पहले केवल कुछ सौ थी, जो अब रिकॉर्ड तोड़ संख्या तक पहुँच गई है। ट्रैक निर्माण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक दशक पहले मात्र 400-600 किमी प्रति वर्ष से बढ़कर आज 4,000 किमी प्रति वर्ष हो गई है। त्योहारों के दौरान लोगों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल के प्रयास रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सहायता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि त्योहारों के दौरान सभी सुरक्षित घर पहुँच सकें।

छठ पूजा के मद्देनजर, रेलवे ने व्यस्ततम यात्रा अवधि को संभालने के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है। बिहार के रेलवे स्टेशन त्योहारों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं। पटना रेलवे स्टेशन पर, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया स्थापित किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर रेलवे स्टेशन पर समर्पित होल्डिंग एरिया भी स्थापित किया है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय रेल छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें 24म7 तैयार रखी गई हैं। पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर, समर्पित रेल कर्मचारियों ने जरूरतमंद यात्रियों की सहायता की और छठ पर्व के दौरान उनकी सुरक्षित, आरामदायक और सुखद यात्रा सुनिश्चित की।

**यात्रियों ने भारतीय रेल के साथ यात्रा के सकारात्मक अनुभव साझा किए:** यात्रियों ने इस त्योहारी सीज़न में सुगम यात्रा अनुभव की सराहना की है, जिसमें आसान बुकिंग, साफ़-सुथरे कोच और सुव्यवस्थित स्टेशन शामिल हैं। छठ पर्व के दौरान, नई दिल्ली और पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, भारतीय रेल ने आज छठ के लिए घर जाने वाले यात्रियों के उत्साह को बढ़ाते हुए कई पारंपरिक छठ गीत बजाए। पूरे भारत में, वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ चल रही हैं, जिनमें पटना और नई दिल्ली के बीच यह विशेष ट्रेन नियमित सेवाओं के अलावा चल रही है। बिहार के जमालपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने के कारण ट्रेन में भीड़ नहीं थी। उसी स्टेशन पर एक अन्य यात्री ने बताया कि साफ़-सफ़ाई सहित सभी सुविधाएँ अच्छी तरह से रखी गई थीं और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

एक यात्री ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेलवे को धन्यवाद दिया। उस यात्री ने स्टेशन पर छठ से संबंधित गीत बजाने की पहल की सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे आध्यात्मिक और उत्सव का वातावरण बन रहा है। अपने विशाल नेटवर्क, समर्पित कर्मचारियों और यात्री सुविधा पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारतीय रेल हर यात्री को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अतिरिक्त ट्रेनें चलाने से लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और समय की पाबंदी बनाए रखने तक, त्योहारों के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। रेल कर्मचारियों के सक्रिय कदम और कड़ी मेहनत देश भर के यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित यात्रा प्रदान करने के लिए संगठन के समर्पण को दर्शाती है।

# नगरीय निकायों के पेंशनर्स को भी राज्य शासन के पेंशनर्स के समान मंहगाई राहत

**भोपाल ।** नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को राज्य शासन के पेंशनरों के समान महंगाई राहत का लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने आदेश जारी किये हैं। आदेश के अनुसार अब नगरीय निकायों के पेंशनरों और परिवार पेंशनरों को 1 सितम्बर 2025 से देय महंगाई राहत सातवें वेतनमान में 55 प्रतिशत तथा छठवें वेतनमान में 252 प्रतिशत की दर से प्राप्त होगा। राज्य शासन के इस निर्णय से नगरीय निकायों के पेंशनरों और परिवार पेंशनरों को प्रभावी राहत मिलेगी तथा उन्हें राज्य शासन के पेंशनरों के समान आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि इस संबंध में सभी संबंधित को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

# श्रीराम के आदर्श और चरित्र को जन-जन तक पहुंचायेंगी राम यात्रा: शुक्ल

## चित्रकूट से प्रारंभ हुई राम यात्रा में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

**भोपाल।** पूज्य संत मुरारी बापू द्वारा 25 अक्टूबर से 4 नवंबर तक रामकथा पर चित्रकूट से अयोध्या तक राम वन गमन पथ के मार्गो पर राम यात्रा शुरू की गई है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने चित्रकूट सतना के अत्रि मुनि आश्रम, सती अनुसुइया से प्रारंभ हुई इस राम यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कहा कि पूज्य संत बापू जी द्वारा प्रभु श्रीराम के वनवास काल के दौरान राम वन गमन पथ के मार्गो से होते हुई प्रारंभ राम यात्रा भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम हमारे प्राण है जिनके स्मरण से जीवन धन्य हो जाता है। यह देश का सौभाग्य है कि श्रद्धेय मुरारी बापू जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन श्रीराम के आदर्श और चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने तथा हमारी आस्था को प्रमाणित कर श्रीराम जन्म भूमि में बहुप्रतीक्षित श्रीराम मंदिर स्थापना कार्य में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के चित्रकूट के पावन स्थल से लेकर पूरे देश में श्रीराम वन गमन मार्ग पर जिन स्थानों पर प्रभु श्रीराम के चरण पडे है। उस धरती में बहुमूल्य खनिज और अयस्कों का भण्डार पाया गया है जो देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि राम यात्रा रामेश्वरम तक रेल मार्ग से और श्रीलंका तक हवाई मार्ग से पहुंचेगी और इसी क्रम में अयोध्या तक वापसी होगी। पूरी यात्रा की मंगलकामना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम सब इस पावन यात्रा के साक्षी बने है। पूज्य संत मुरारी बापू ने कहा कि श्रीराम यात्रा विशुद्ध रूप से आध्यात्मिक और अंतरआत्मा की यात्रा है। जिसे सभी संतों, महापुरूषों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह राम यात्रा सत्य, प्रेम और करूणा की यात्रा है। विश्व के हित को ध्यान में रखकर चित्रकूट जैसे पावन स्थल से यह यात्रा शुरू की है। संत मुरारी बापू ने मध्यप्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की उपस्थिति और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यात्रा के लिए प्रदान की गई सदभावना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बापू के सानिध्य में सतना जिले के चित्रकूट के अत्रि मुनि आश्रम से प्रारंभ इस राम यात्रा को उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन पर संत मुरारी बापू, मध्यप्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन संत राम हृदय दास मदन पालीवाल की गरिमामय उपस्थिति में राम यात्रा की ट्रेन रवाना की गई। राम यात्रा में 22 सुसज्जित कोच की यह विशेष ट्रेन रामेश्वरम तक जाएगी। इसके बाद राम यात्रा हवाई मार्ग से श्रीलंका पहुंचेगी और इसी क्रम में वापस राम यात्रा अयोध्या आयेगी। चित्रकूट धाम रेल्वे स्टेशन से राम यात्रा सड़क मार्ग से अत्रि मुनि आश्रम सती अनुसुइया चित्रकूट सतना भी पहुंची। चित्रकूट से सड़क मार्ग से होती हुई राम यात्रा उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन से रामेश्वरम को रवाना हुई। प्रभु श्री राम वनवास काल के दौरान जिन स्थानों पर गए थे। उसी मार्ग पर राम यात्रा संचालित हो रही है। चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन पर संत मुरारी बापू और मध्यप्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राम यात्रा की स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राम यात्रा के संयोजक मदन पालीवाल, रेल्वे टूरिज्म आईआरसीटीसी की पमिला गुप्ता, बालेन्द्र गौतम सहित राम यात्रा के सहभागी देश भर के भक्तजन उपस्थित रहे।

# एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन पूर्व छात्रों का मित्र मिलन समारोह का आयोजन

**भोपाल।** एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन पूर्व छात्रों का मित्र मिलन समारोह आयोजित किया गया, जो दोस्ती और स्नेह का अद्भुत संगम बन गया। इस कार्यक्रम में भोपाल के विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 600 पूर्व छात्र और छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया और नए संबंधों को मजबूत किया। कार्यक्रम का आयोजन एमएलबी कॉलेज पुराने हमीदिया कॉलेज में किया गया था, जहां दोस्तों ने एक दूसरे से मुलाकात की और अपने अनुभवों को साझा किया। एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ ग्रुप के संयोजक दीपक जोशी ने कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला और अध्यक्ष पयोज जोशी ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि एक्टिव फ्रेंड ग्रुप अभी तक कई तरह की एक्टिविटी करता रहा है लेकिन आज दोस्तों के साथ मिलकर ये मित्र मिलन समारोह अपने आप में स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम में मधुर गीत संगीत के साथ पूर्व विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें आलोक संजर, महेंद्र सिंह चौहान, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी दीपचंद यादव, विकास वीरानी और अन्य शामिल थे। इसके अलावा एक्टिव फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्य और पूर्व विद्यार्थियों में जहीर अहमद, त्रिभुवन मिश्रा, मोहम्मद सरवर, गिरीश शर्मा, आसिफ जकी, शिराज भाई,मो. तारिक, डा राजीव जैन, राजेश व्यास, प्रेम गुरु, प्रकाश विश्वकर्मा, नितिन डागा, प्रभाकर चौधरी, के आर पठान, डा संतोष कटियार, जितेंद्र गौतम, सैयद मुन्नबर, अशोक चतुर्वेदी, आलोक गोस्वामी, इम्तियाज अली, आराधना संजर, यास्मीन अलीम, नीलम शर्मा, पूर्वा राय, ममता चौहान, रोहिणी, कृष्णा नेगी, नितिन लोहानी, प्रमोद शर्मा, अब्दुल्ला भाई उपस्थित रहे।

दोस्ती के इस महाकुंभ में सभी ने एक दूसरे के साथ बिताए गए पलों को याद किया और नए संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अरुण विश्वकर्मा ने किया और आभार प्रदर्शन एक्टिव फ्रेंड्स ऑफ ग्रुप के सचिव राजकुमार श्रीवास्तव ने किया। इस मित्र मिलन समारोह ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दोस्ती उम्र भर का साथ है और ये पल हमेशा यादगार रहेंगे।

# उप मुख्यमंत्री ने आचार्य आश्रम नयागांव में किया छात्रावास भवन का शिलान्यास

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने चित्रकूट में नयागांव आचार्य आश्रम में श्री बलराम दैसिक संस्कृत विद्यालय द्वारा संचालित छात्रावास के नवीन भवन का शिलान्यास किया। प्रियंबदा बिरला वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ द्वारा संचालित छात्रावास के निर्माण के लिए लगभग 1 करोड रूपये से अधिक राशि का सहयोग बिरला कार्पोरेशन और विंध्या टेली लिमिटेड द्वारा किया गया है। इस अवसर पर चित्रकूट आचार्य आश्रम के श्री बद्री प्रपन्नाचार्य महाराज, प्रयागराज के श्रीराम सुमनदास जी महाराज, पूर्व विधायक सेमरिया केपी त्रिपाठी, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, बालेन्द्र गौतम, प्रबल राव श्रीवास्तव, बीटीएल के रमेश सिंह, प्रधानाचार्य वेद विद्यालय सुनील शास्त्री भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आचार्य आश्रम परिसर में स्थापित प्रियंबदा बिरला वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ के छात्रावास का विधि-विधान से भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में मानव जीवन के पावन कर्तव्यों को पूरा करने में मार्गदर्शन देने के लिए संत और ऋषि परंपरा प्राचीन काल से रही है। आचार्य आश्रम श्रीबद्री प्रपन्नाचार्य ने अपने आर्शीवचनों में कहा कि पूर्व काल से ही चित्रकूट अत्रि मुनि की तपस्या स्थली रही है। जहां भगवान श्रीराम ने अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आयु अवधि चित्रकूट में बिताई। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया से चरित्र का पाठ सीखने की लालसा लेकर लोग चित्रकूट आते हैं।

# डिक्लेसिया जागरूकता रैली आयोजित

**भोपाल।** गैर सरकारी सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों के विकासात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए ,जनता के बीच डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता पैदा करने की दृष्टि से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया । आत्मन , *निदान सेवा समिति, सेतु विधिज्ञ के साथ *रोटरी क्लब भोपाल ईस्ट, सहारा साक्षरता, एवं अनाहिता के सहयोग से रविवार दिनांक-26 अक्टूबर 2025 को विश्व डिस्लेक्सिया दिवस के अन्तर्गत जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । रैली में मानसिक दिव्यांग बच्चों के साथ ही सभी संस्थाओ के सदस्यों सहित शिक्षकगण तथा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञ भी शामिल हुए 7 आयोजकों ने लाल झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया पैदल रैली का समापन बोट क्लब पर किया गया7 रैली में सभी प्रतिभागियों को डिस्लेक्सिया के बारे में अवगत भी कराया गया। निदान संस्था केए बच्चे भी बढ़ी संख्या में हुए शामिल । यह सभी संस्थाएं विगत चार वर्षों से विश्व डिस्लेक्सिया दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर महिने की आखिरी रविवार को भोपाल में वॉक फॉर डिस्लेक्सिया आयोजित करते आ रहे हैं। डिस्लेक्सिया एक सामान्य शिक्षण विकार है, जो किसी व्यक्ति की ठीक से पढ़ने और लिखने की क्षमता को प्रभावित करता है। डिस्लेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए धारा प्रवाह रूप से पढ़ना और लिखना चुनौती भरा क्षेत्र है। डिस्लेक्सिया से पीड़ित व्यक्ति अक्सर बिना गलती किए तेजी से पढ़ने और लिखने में असमर्थ होते हैं। डिस्लेक्सिया से पीड़ित व्यक्तियों को पढ़ने, लिखने, शब्दावली और उन कार्यों को करने में कठिनाई हो सकती है जिनमें हाथ और आंख के समन्वय की आवश्यकता होती है।

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस इन मुद्दों के बारे में यह जागरूकता बढ़ाता है कि इस तरह के विकार के प्रबंधन के लिए क्या किया जा सकता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य समावेशिता को बढ़ावा देना, शिक्षा तक पहुंच और डिस्लेक्सिया से पीड़ित व्यक्तियों को उनके सीखने के प्रयासों में सहायता प्रदान करने में प्रभावी रणनीतियों को लागू करना है।

# उप मुख्यमंत्री ने किया मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शनिवार को सतना जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत प्रदेश के सभी सामुदायिक केन्द्रों में प्रतिमाह 9 और 25 तारीख को लग रहे स्वास्थ्य जांच शिविरों की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न वार्डो, आपरेशन थियेटर, पैथालॉजी, प्रसूति वार्ड का निरीक्षण कर मरीजों को दी जारी उपचार सेवायें, जांच सुविधाओं और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम मझगवां महिपाल सिंह गुर्जर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, बीएमओ मझगवां डॉ. रूपेश सोनी, मेडीकल आफीसर, पैरामेडीकल स्टाफ तथा बालेन्द्र गौतम, निरंजन जायसवाल, अवध बिहारी मिश्रा भी उपस्थित थे। शुक्ल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मझगवां के ओपीडी, आयुष्मान कक्ष, चिकित्सक कक्ष, रसोई, प्रतीक्षा कक्ष, प्रसूति वार्ड, नेत्र परीक्षण कक्ष, जनरल भर्ती वार्ड, ट्रू नॉट प्रयोगशाला में डीएन एक्सटेक्शन मशीन, पैथालॉजी में सैम्पलिंग और जांच प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं और विकासखण्ड मझगवां की स्वास्थ्य केन्द्र संस्थाओं में दी जा रही सुविधाओं और उपचार सेवाओं की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत सभी सामुदायिक केन्द्रों में प्रतिमाह 9 और 25 तारीख को लगाये जा रहे शिविरों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करे तथा इसका बेहतर प्रचार-प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ दिलायें। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगने वाले इन जांच शिविरों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच तथा हाईरिस्क प्रेग्नेंसी की जांच हो जाने पर मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयासों को भरपूर सफलता मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने टेली मेडीसिन के संबंध में जानकारी ली और सेटअप जमा कर इसकी निगरानी भी करने के निर्देश दिये।

# स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड के शांत वातावरण में स्थित निःशुल्क योग प्रशिक्षण केंद्र पर प्रकृति की गोद में आयोजित यह प्रेरणादायक दृश्य

**भोपाल।** सूर्योदय की स्वर्णिम बेला में, औषधीय गुणों से भरपूर वृक्षों की हरियाली और हल्की वर्षा की फुहारों के बीच, विद्यालय के छोटे बच्चे योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में सामूहिक रूप से का उच्चारण एवं योग अभ्यास करते हुए दिव्य ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं।

**उच्चारण के लाभ —** मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। मस्तिष्क को शांत कर एकाग्रता बढ़ाता है। नकारात्मक विचारों और तनाव को दूर करता है। शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा प्रदान करता है। वातावरण में सकारात्मक कंपन और शुद्धता उत्पन्न करता है। यह दृश्य न केवल योग की शक्ति को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि प्रकृति के साथ जुड़कर किया गया योग साधना आत्मिक आनंद और मानसिक शांति का सर्वोत्तम माध्यम है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र) प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक-सुमेर सिंह यादव
( सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950